दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 06:07 ए एम
सूर्यास्तः 06:24 पी एम
तिथिः सप्तमी - 02:14 पी एम तक
नक्षत्रः रोहिणी - 12:21 पी एम तक
योगः सिद्धि - पूर्ण रात्रि तक
करणः बव - 02:14 पी एम तक
द्वितीय करणः बालव - 03:21 ए एम, सितम्बर 18 तक
पक्षः कृष्ण पक्ष

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition
www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 155 • पृष्ठ 8 • दुमका, शनिवार 17 सितंबर 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

गौतम अदाणी दुनिया से दूसरे सबसे अमीर शख्स बने!

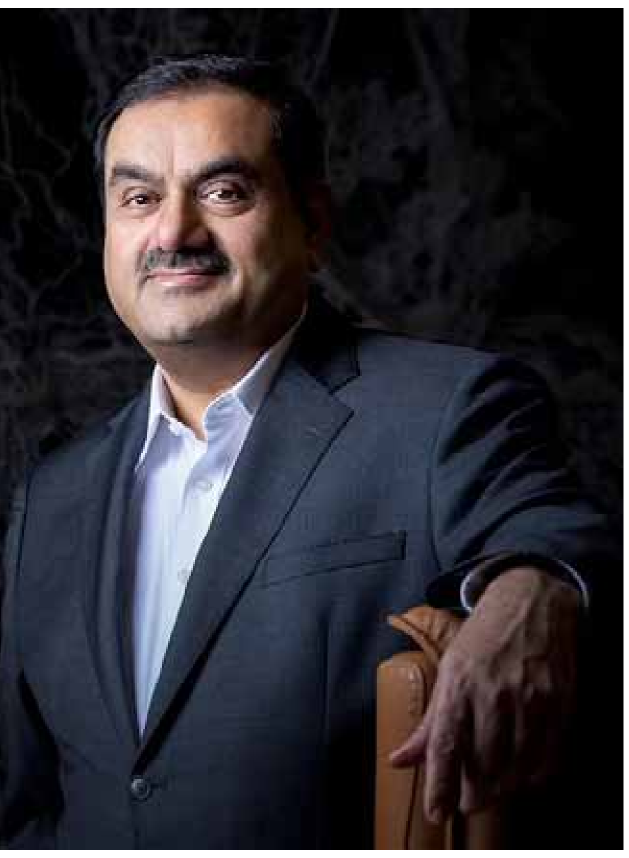

नयी दिल्ली/एजेंसी।

गौतम अडानी दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रईस बन गए हैं। अब दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों की लिस्ट में एलन मस्क के बाद अब गौतम अडानी ही हैं। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स में गौतम अडानी ने यह स्थान बर्नार्ड अर्नॉल्ट को पछाड़कर हासिल किया है। हालांकि ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में अभी वह तीसरे स्थान पर ही हैं।

ब्लूमबर्ग के अरबपति सूचकांक के अनुसार 60 साल के गौतम अदाणी की नेटवर्थ (कुल संपत्ति) 155.2 अरब डॉलर है। बर्नार्ड अर्नाल्ट की संपत्ति भी 155.2 अरब डॉलर है। वहीं लिस्ट में पहले स्थान पर काबिज टेस्ला के प्रमुख व दुनिया के सबसे धनी एलन मस्क की नेटवर्थ 273.5 अरब डॉलर है, जबकि, अमेजन के संस्थापक व सीईओ जेफ बेजोस की 149.7 अरब डॉलर है।

अदाणी समूह की नेटवर्थ 2022 में लगातार बढ़ी है। गौतम अदाणी दुनिया के टॉप-10 अमीरों की सूची में गौतम अदाणी और एलन मस्क ही ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी दौलत पिछले 24 घंटे के दौरान बढ़ी है। इस दौरान अदाणी की नेटवर्थ में 4.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। इस साल जनवरी से अब तक अदाणी की संपत्ति में 60.9 अरब डॉलर से अधिक का इजाफा हुआ है।

गौतम अदाणी ने पिछले माह माइक्रोसॉफ्ट के प्रमुख बिल गेट्स को पछाड़ दिया था। बिल गेट्स की नेटवर्थ घटकर 117 अरब डॉलर रह गई है। यह कमी उनके द्वारा बड़े पैमाने पर दान करने के कारण आई है। अदाणी की नेटवर्थ में इस साल 60 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। यह देश के अन्य अमीरों की तुलना में पांच गुना ज्यादा है। इसी साल फरवरी में गौतम अदाणी ने रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया था। अदाणी इसके साथ ही भारत के व एशिया के सबसे रईस बने थे। अप्रैल 2022 में अदाणी की नेटवर्थ पहली बार 100 अरब डॉलर के पार पहुंच गई थी।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक अडानी के पास भारत में सबसे बड़ा बंदरगाह संचालक, थर्मल कोयला उत्पादक और कोयला व्यापारी हैं। गौतम अडानी का जन्म गुजरात में हुआ था। कॉलेज छोड़ने के बाद किशोरावस्था में ही वह मुंबई चले गए और अपने गृह राज्य लौटने से पहले उन्होंने हीरा कारोबार में काम किया।

उन्होंने वैश्विक व्यापार में अपनी शुरुआत अपने भाई के प्लास्टिक व्यवसाय के लिए पॉलीविनाइल क्लोराइड (ढश्उ) के आयात के साथ की। 1988 में उन्होंने वस्तुओं के आयात और निर्यात के लिए समूह की प्रमुख कंपनी अडानी इंटरप्राइजेज की स्थापना की।

अडानी इंटरप्राइजेज ने 1994 में गुजरात सरकार से मुंद्रा पोर्ट पर अपने स्वयं के कार्गो को संभालने के लिए एक बंदरगाह सुविधा स्थापित करने की मंजूरी ली। परियोजना में क्षमता को देखते हुए अडानी ने इसे एक कामर्शियल बंदरगाह में बदलने का फैसला किया। उन्होंने भारत में सबसे बड़ा बंदरगाह बनाने के लिए पूरे भारत में 500 से अधिक लैंडलार्ड के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत करके रेल और सड़क संपर्क बनाया। अडानी ने 2009 में बिजली उत्पादन में प्रवेश किया।

मुंद्रा पोर्ट की वेबसाइट के अनुसार 1997 में डाकुओं द्वारा अरबपति अडानी को फिरौती के लिए अगवा कर लिया गया था। वेबसाइट के अनुसार, जब आतंकियों ने मुंबई पर हमला किया तो अडानी ताज होटल में बंधकों के बीच बंधक थे।

संक्षिप्त समाचार

सूरत में घूमने निकला था कपल, प्रेमी को बंधक बना लड़की से 5 ने किया गैंगरेप

गुजरात/एजेंसी। गुजरात के सूरत शहर के गोदरा इलाके में गैंगरेप की दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां मध्यप्रदेश मूल की एक युवती और उसके प्रेमी को बंधक बना कर अपनी हवस का शिकार बना डाला। रविवार को हुई गैंगरेप की घटना, मंगलवार को खुलासा होने पर पुणागाम पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी युवकों की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि रविवार को 27 वर्षीय युवती अपने प्रेमी के साथ घूमने गई थी। दोनों देर शाम देवाध राधुवीर बाजार से कुम्भरिया गांव सोमसम रोड पर बाइक से जा रहे थे।

शुभकामना

विश्वकर्मा पूजा के शुभ अवसर पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं एवं बंधुओं को 'झारखंड देखो' परिवार की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं।

सूचना

विश्वकर्मा पूजा के शुभ अवसर पर 'झारखंड देखो' कार्यालय एवं प्रेस 17 सितंबर को बंद रहेंगे। अतः पाठकों को अगला अंक सोमवार 19 सितंबर को मिलेगा।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
59,934.01–412.96 (0.68%)
निफ्टी
17,877.40–126.35 (0.70%)

लखनऊ : दीवार गिरने से नौ लोगों की मौत

लखनऊ/एजेंसी।

दिलकुशा कालोनी में निर्माणाधीन दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर नौ लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। मृतकों में दो बच्चे भी हैं। इसी तरह उन्नाव जिले में असोहा थाना क्षेत्र के कांथा मे कच्चा मकान गिरने से दो भाइयों और एक बहन सहित तीन की मौत हो गई। लखनऊ में अधिकारी मौके पर पहुंच गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी ने हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अफसरों को घायलों को उचित इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया है। दिलकुशा कॉलोनी में पुरानी दीवार का निर्माण कार्य चल रहा था जिसके लिए मजदूर रुके हुए थे। दीवार का वह हिस्सा गिरा जो कि पहले मजबूती से खड़ा हुआ था। हादसे से चीख पुकार मच गई।

घटना की सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार दिलकुशा कॉलोनी पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि दुर्घटना कल रात से हो रही बारिश के कारण निर्माणाधीन दीवार गिरने से हुई। दो घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां डॉक्टरों ने दोनों को खतरे के बाहर बताया गया है। जिलाधिकारी ने सिविल हास्पिटल पहुंच कर उनका हालचाल लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि हादसे में मृत लोगों के परिजनों को आपदा राहत के अंतर्गत मुख्यमंत्री की ओर से 4-4 लाख रुपये की सहायता प्रदान करने की घोषणा की गई है।

हादसे में घायल एक मजदूर झांसी के रहने वाले राघवेंद्र का कहना है कि घटना रात करीब 12 बजे की है। हादसे में बेहोश हुए एक आदमी को जब फोन आया तो उसने 108 नंबर पर फोन किया फिर हम लोगों को अस्पताल लाया गया।

नामीबिया से ग्वालियर लाए गए 8 चीते

ग्वालियर/एजेंसी।

नामीबिया से 8 चीतों को लाने वाली विशेष चार्टर्ड कार्गो फ्लाइट मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भारतीय वायु सेना स्टेशन पर लैंड कर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज इन्हें कुनो नेशनल पार्क में रिहा करेंगे। कुनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) ने चीतों के स्वागत के लिए खुद को तैयार कर लिया है। इन्हें खिलाने के लिए जंगली जानवरों को भी रिहा

किया गया है। इसके अलावा स्थानीय लोगों को भी उचित निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 72वें जन्मदिन पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और वन्यजीव विशेषज्ञों की उपस्थिति में शनिवार को सुबह लगभग 10.45 बजे जानवरों को 10 किमी में फैले एक बाड़े में छोड़ देंगे। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, ''भारत उन देशों में से एक है जो अपनी गलतियों को दूर करने में विश्वास करता है। गलती सुधारी जानी चाहिए। अत्यधिक शिकार के कारण भारत में चीते विलुप्त हो गए थे। हमने इन्हें वापस लाने का फैसला किया।'' नामीबिया की राजधानी विंडहोक से बोइंग 747-400 विमान में आठ चीतों को भारत लाया गया है। मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) वन्यजीव जेएस चौहान ने कहा, 'ग्वालियर से भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के भारी-भरकम चिनूक हेलीकॉप्टर में चीतों को केएनपी में भेजा जाएगा।

'चीतों को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय उद्यान के 18 किमी अंदर पालपुर में पांच हेलीपैड बनाए गए हैं।

जिले में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का होगा आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शुक्रवार को ₹स्वच्छता ही सेवा₹ 2022 अन्तर्गत दुमका जिला में कार्यपालक अभियंता पेयजल एंव स्वच्छता विभाग, प्रमंडल 01 एवं 02 द्वारा स्वछता ही सेवा कार्यक्रम की शुरुआत द्वीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान की जानकारी एंव लोगो की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु स्वच्छता सपथ दिलाया गया।कार्यापालक अभियंता के द्वारा जानकारी दी गई है कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 15 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2022 तक राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इसका एकमात्र उद्देश्य ग्राम स्तर पर व्यापक रूप से ग्रामीणों को जागरूक करना तथा ग्राम स्तर पर स्वच्छता तथा ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन के स्थायित्व को बनाये रखना शामिल है।

कार्यपालक अभियंता 02 अनुज कुमार मिश्र ने सबों से अपील किया कि इस कार्यक्रम को उत्सव की तरह मनाये और अपने गाँव को स्वच्छ बनाये। कार्यपालक अभियंता 01 गंगा राम ठाकुर ने कहा कि यह कार्यक्रम एक अवसर है समुदाय को जागृत करने का,गाँव और समाज को जोड़ने का जिससे दुमका जिला स्वच्छ हो सके।

इसके अलावे ग्राम स्तर पर स्वच्छता तथा ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन की बात की जाय, तो यह तभी संभव है जब गांव हेतू प्रत्येक लोगों की व्यापक स्तर पर भागीदारी शामिल हो इस हेतु विभिन्न प्रकार के सराहनीय कदम उठाये जाय, जिससे एक व्यक्ति दूसरे को देखकर प्रेरित हो और अंतिम व्यक्ति द्वारा अपना अनुदान दिया जाय। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करने हेतु आवशयक दिशा - निर्देश भी दिये गये है।

जिले में सभी प्रखंडों में स्वच्छता ही सेवा अभियान दिनांक 15 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2022 तक गतिविधियाँ आयोजित की जाएगी।कार्यक्रम में जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन के सभी जिला समन्वयक, सभी कनीय अभियंता, यूनिसेफ कर्मी, आईएसए प्रतिनिधि, सभी प्रखंड समन्वयक, सभी विभागीय कर्मी एवं जल सहिया उपस्थित थीं. कार्यक्रम का संचालन ब्लाक कोडीनेटर बिकास मिश्रा कर रहे थे।

डीआइजी ने एकलव्य स्कूल की छात्राओं को किया सम्मानित

12वीं में उत्तीर्ण होने वाले छात्राओं को कॅरियर को लेकर दिये कई टिप्स

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमकाः एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय काठीजोरिया में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संताल परगना के डीआइजी सुदर्शन मंडल मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। छात्राओं ने लोटा पानी एवं संथाली लोक गीत के साथ उनका स्वागत किया। सुखमति सोना ने बुके से मुख्य अतिथि स्वागत किया। सुमिता सिंह ने शॉल ओढ़ाकर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। डीआइजी सुदर्शन मंडल में इंटर में पास करने वाली वाली छात्राओं को सम्मानित किया। भविष्य को लेकर आवशयक टिप्स दिये। डीआइजी ने छात्राओं से कहा कि कुछ बड़ा सोचो तभी उज्जवल भविष्य हो सकता है। उन्होंने छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर भी दिया। छात्राओं ने डीआइजी के कॅरियर से संबंधित कई सवाल पूछे। उन्होंने छात्राओं के सवाल पर सरलता से जबाब दिया। इस कार्यक्रम में एनसीसी के कैडेटस भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षिका लैफ्टिनेंट सुमिता सिंह, सुखमति सोनार, रंजू कुमारी, रिंकी ठाकुर, संगीता मरांडी, मरियम, दिनेश प्रसाद गुप्ता, आनंद गोराई, आकाश मंडल, नारायण सिंह, दीनबंधु, रजनीश सिंह, पूजा साह, मृणाली हांसदा, नीतेश राय आदि उपस्थित थे।

अधिक अंक वाले छात्र-छात्राओं का नामांकन सूची में नाम नहीं

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। देवघर महाविद्यालय प्रशासन पर छात्र संघ के सचिव ने इंटरमीडिएट सत्र 2022 के संबंध में जिसमें उन्होंने बताया है। कि सत्र 2022- 24 इंटर नामांकन में नामांकन हेतु छात्र छात्राओं ने ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से अप्लाई किया ।छात्र-छात्राओं के माध्यम से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिक अंक वाले छात्र-छात्राओं का नामांकन सूची में नाम नहीं आया है ।जबकि कम अंक वाले का नामांकन हो गया है। जानकारी प्राप्त होने के बाद छात्र नेता महाविद्यालय पहुंचकर छात्र छात्राओं के साथ प्राचार्य से मिला ।इसमें इसमें छात्र-छात्राओं एवं छात्र-छात्राओं एवं विश्वराज सिंह के साथ छात्र हित में प्रसाद महाविद्यालय के साथ संवैधानिक नोकझोंक भी हुई इस पर छात्र नेता ने कहा कि नोटिस बोर्ड में फर्स्ट लिस्ट का फर्स्ट लिस्ट को सूची से हटा दिया गया बदल दिया जा रहा है। छात्र नेता ने आरोप लगाया है कि प्राचार्य अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं ।पद का दुरुपयोग करें एवं पहले अपने करीबी का नामांकन ले रहे हैं। जिसका सीधा प्रभाव एवं निर्धन छात्र छात्राओं पर पड़ रहा है ।जिस कारण जिस कारण वश महाविद्यालय में प्रतिदिन विद्यार्थियों का भी चल रहा है जो कि किसी भी जो कि किसी भी प्रतिष्ठित महाविद्यालय के लिए उचित नहीं है ।सीधे सीधे सवाल पूछे जाने पर प्राचार्यां मामले को शांत करने का प्रयास किया। क्योंकि विद्यार्थी अपने बातों पर अंत में सभी छात्र छात्राओं को नामांकन का आश्वासन दिया है एवं छात्र नेता महाविद्यालय में सीट बढ़ाने हेतु सहयोग मांगा। इस पर छात्र नेता छात्र हितों के लिए छात्र-छात्राओं का सहयोग करने का वचन दिया।

दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों के साथ एसडीओ ने की बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुर्गा पूजा की तैयारी को लेकर दुमका के एसडीओ महेश्वर महतो ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में दुमका के सभी दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक को सम्बोधित करते हुए एसडीओ ने कहा कि सभी पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने को कहा। साथ ही मेडिकल कीट, अग्निशामक यंत्र, बाल्टी में बालू भरा पूजा पंडाल के आस-पास रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही एसडीओ ने कहा कि अभी कोरोना पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है, इसलिए पंडाल व पूजा स्थल में भीड़-भाड़ को देखते हुए मास्क रखे। जिसमें किसी की भी थोड़ी सेहत खराब नजर आए तो उन्हें मास्क दिया जा सकें। एसडीओ ने कहा कि बरसात को देखते हुए सभी पंडाल व गेट को मजबूती से बनाए। बैठक में पूजा समिति के सदस्यों ने अपनी-अपनी समस्याओं को बताया। जिसमें मुख्य रूप से पूजा के दौरान यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया था। पूजा समिति के सदस्यों ने कहा कि सप्तमी से दशमी तक पूजा पंडाल के मुख्य मार्ग पर चारहिया वाहन व मोटरसाईकिल के कारण भीड़-भाड़ के जगह में लोगों को काफी दिक्क्त होती है। बैठक में दुमका के सभी दुर्गा पूजा समिति के सदस्य शामिल हुए।

गेंजर सर्वे सेटलमेंट के रिकार्ड में दुमका के 10 अंचलों में 2936 गांव

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। ब्रिटिश हुकूमत के दौर में संताल परगना में वर्ष 1922 से प्रारंभ गेंजर सेटलमेंट का भूमि सर्वे ही इस इलाके में आज भी प्रभावी है। गेंजर सेटलमेंट सर्वे 1922 में प्रारंभ किया गया था और 10 वर्ष यानि 1932 में इसका गजट प्रकाशित किया गया था। हालांकि इस दौरान कुछेक इलाकों में सर्वे का काम वर्ष 1936 तक भी प्रभावी था। जानकार बताते हैं कि उस दौरान भी दुमका और देवघर के शहरी इलाकों का सर्वे नहीं हो सका था। देवघर का झौसागढ़ी, श्यामगंज, पेड़ा गली समेत कई इलाके हैं जहां सर्वे का काम नहीं हो सका है। दुमका का शहरी क्षेत्र भी इससे वंचित है। अलबत्ता दुमका जिले के 10 अंचलों के कुल 2936 गांव 1932 के सर्वे रिकार्ड में जरूर दर्ज है।

पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर जयंती समारोह की तैयारी शुरू,सम्मानित होंगे प्रतिभाशाली छात्र

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। आगामी 26 सितंबर को पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर जयंती समारोह की तैयारी शुरू हो गई है ।आयोजन कार्यसमिति के प्रवक्ता नीलांबर कुमार साहा ने बताया कि पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर स्मृति रक्षा समिति दुमका एवं झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ जिला इकाई दुमका के संयुक्त तत्वाधान में समारोह का आयोजन किया जाना है ।पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर के जयंती समारोह में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ,नेट एवं जेपीएससी में सफल उम्मीदवारों और 2022 में सेवानिवृत्त होने वाले प्रधानाध्यापकों ,शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा ।समारोह के प्रथम सत्र में एक शैक्षिक सेमिनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर के जीवन दर्शन विषय पर परिचर्चा होगी ।नीलांबर कुमार साहा ने बताया कि समारोह की तैयारी को लेकर झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ भवन, चूहा बागान दुमका में 17 सितंबर को एक बैठक होगी ।इस बैठक में शहर के शिक्षाविद, बुद्धिजीवी वर्ग, सामाजिक सरोकार रखने वाले गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है।

36 वें नेशनल गेम्स के सफल आयोजन में दुमका के मुकेश कुमार लेंगे भाग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। 36 वें नेशनल गेम्स जो की गुजरात में 18 सितंबर से 13 अक्टूबर तक आयोजित है के सफल संचालन हेतु दुमका के मुकेश कुमार का चयन तकनीकी पदाधिकारी के रूप में किया गया है। कुमार 25 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित कबड्डी की सपर्धा में तकनीकी अधिकारी होंगे। ये 22सितम्बर को आसनसोल से अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे। बता दे की कुमार इससे पहले भी कई बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तकनीकी अधिकारी के रूप में भाग ले चुके है। 36वें राष्ट्रीय खेल जो अपने आप में एक सबसे बड़ा खेल महाकुंभ है जो प्रत्येक 4 सालों में आयोजित होता है ऐसे बड़े खेल प्रतियोगिता में दुमका के मुकेश कुमार का अमच्योर कबड्डी फेडरेशन द्वारा चयन किया जाना दुमका के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कुमार के मनोनयन पर कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के महासचिव बिपिन कुमार सिंह, अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा, कोषाअध्यक्ष हैदर हुसैन, जिला ओलंपिक संध के महासचिव श्री बरूण कुमार, जिला खेल पदाधिकारी तूफान पोद्दार, जिला खेलकुद संध के महासचिव उमाशंकर चौबे, जिला वॉलीबॉल संघ के चेयरमैन ₹बाबू दा₹ अध्यक्ष अमित कुमार, कार्यकारणी अध्यक्ष सूरज केसरी दुमका जिला वॉलीबॉल मीडिया प्रभारी गौरव सिंह तथा अन्य सभी जिला संध के पदाधिकारीगण ने अग्रिम बधाई व शुभकामनाएं दी है।

संक्षिप्त समाचार

राजद के प्रखंड अध्यक्ष चुने गए जगदीश गृही

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राष्ट्रीय जनता दल के सांगठनिक चुनाव 2022-25 के लिए नियुक्त प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध यादव की उपस्थिति में राजद प्रखंड अध्यक्ष रामगढ़ के चुनाव के लिए जगदीश गृही ने नामांकन पत्र दाखिल किया। जिसका प्रस्तावक राकेश देहरी एवं समर्थक शिवलाल गृही थे। प्रखंड अध्यक्ष के चुनाव में सिर्फ एक सक्रिय कार्यकर्ता ने नामांकन किया है। इसलिए सभी पंचायत अध्यक्ष ओर सक्रिय कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में सर्वसम्मति से जगदीश गृही को निर्विरोध रामगढ़ के राजद प्रखंड अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। कार्यक्रम में कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रमोद पंडित, अनिल पंडित, अजय गृही, रामेश्वर गृही, रामेश्वर गृही, किशन गृही, सुनील गृही, लालमणि देवी, दुखनी देवी सहित अन्य सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद थे।

लंपी बीमारी से एक मवेशी की मौत, 5 संक्रमित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका में लंपी वायरस संक्रमित एक मवेशी की शुक्रवार को मौत हो गई ।वहीं दो और मवेशियों में लंपी स्कीन बीमारी का लक्षण पाया गया है ।पहले से जिला में चार मवेशियों में लंपी बीमारी का लक्षण पाया गया था। उनमें

कुसुमडीह में एक बैल की मौत हो गई ।पशुपालक संतोष हांसदा ने बताया कि करीब एक सप्ताह से उनका बैल बीमार था ।बैल के मरने से करीब 25 हजार रुपये की क्षति हुई है ।इधर दुमका प्रखंड के लखीकुंडी में पीतांबर कुमार साह की एक गाय और बछड़ा लंपी वायरस से संक्रमित है ।वहीं जामा के नोनीहथवारी गांव में उपेंद्र प्रसाद मंडल का बैल भी लंपी बीमारी से पीड़ित है ।शुक्रवार को दुमका के शहरी इलाके में भी पशुओं में लंपी बीमारी का प्रकोप देखा गया ।जो दो नए केस मिले, उनमें एक रसिकपुर और दूसरा बांधपाड़ा के पशुपालक की गाय है ।लंपी स्कीन बीमारी से संक्रमित 5 पशुओं का सैम्पल जांच के लिए कलेक्ट किया गया ।जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि सभी सैम्पल जांच के लिए रांची भेजा जा रहा है ।लंपी की रोकथाम के लिए शुक्रवार को रांची में हुई बैठक में भाग लेने के लिए डीएएचओ रांची गए हैं। बता दें कि लंपी एक वायरस संक्रमित स्कीन बीमारी है।

मंहगाई और बेरोजगारी से लोग परेशान है

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सरैयाहाट के कर्णपूरा पंचायत के बाबूपुर से भारत जोड़ो यात्रा का शुभारंभ किया गया ।ये यात्रा समया अंतराल में लगातार चलती रहेगी और इस यात्रा में हम सभी के लोकप्रिय विधायक प्रदीप यादव भी शामिल होंगे । यात्रा में लोगों को यात्रा का संदेश दिया गया लोग आज मंहगाई से,बेरोजगारी से लोग परेशान है और केंद्र सरकार देश को धर्म के आधार पर राजनीति कर लोगों को बाँट रही है लेकिन राहुल गाँधी आज 3570 कीमी की यात्रा कर लोगो को जोड़ने का काम कर रहें हैं। केंद्र सरकार आज लगातार संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपोग कर विपक्ष की सरकारों को गिराने का छद्म प्रयास कर रही है ये लोकतंत्र की हत्या करने की प्रयास कर रही जो कांग्रेस पार्टी कभी पुरा होने नही देगी ।आज की यात्रा प्रखंड अध्यक्ष बालमुकुंद यादव के नेतृत्व में किया गया। इसमे प्रखंड के संयोजक राजीव जयसवाल,प्रभाकर मिश्रा,दिनेश दास,शंकर मंडल ,पवन यादव ,नीम चंद मंडल,शीलधर राउत ,कमल प्रधान,राकेश कुमार ,परशुराम राउत ,उत्तम कुमार,राम विलाश यादव मौजूद थे।

दिनदहाड़े बैंककर्मी के घर में घुस कर जेवर लूटने वाला दोनों लुटेरा 24 घंटे के अंदर धराया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपराजधानी दुमका में बैंककर्मी के घर में दिनदहाड़े घुस कर महिला को बेहोश कर जेवर लूटने वाले दोनों लुटेरे 24 घंटे के अंदर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। हंसडीहा थाना की पुलिस ने दोनों को नोनीहाट से गिरफ्तार कर दुमका टाउन थाना की पुलिस के हवाले कर दिया।लुटेरों की पहचान हंसडीहा थाना क्षेत्र के चापातरी गांव निवासी सुशील साह और नोनीहाट बाजार के मिथलेश साह के रूप में की गई है ।लुटा गया जेवरात भी बरामद हो गया है ।जेवर लूटने की घटना गुरुवार को दुमका शहर के बख्शीबांध मुहल्ले में एक बैंककर्मी जितेंद्र कुमार चौरसिया के घर में हुई थी ।जितेंद्र कुमार चौरसिया झारखंड ग्रामीण बैंक में वित्तीय सलाहकार के पद पर हैं ।वे अपने परिवार के साथ बख्शीबांध मुहल्ले में किराया के घर में रहते हैं ।गुरुवार को वे बैंक में अपनी ड्यूटी पर थे ।इधर दो बदमाश उनके घर के अंदर घुस गए ।बैंककर्मी की पत्नी के मुंह पर नशीला पदार्थ स्प्रे कर दिया था,जिससे वह बेहोश हो गयी ।बदमाशो ने उनकी सोने के कान की बाली और अंगूठी खोल कर चंपत हो गए ।दोने के घर आने और बाइक से भागने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी ।घटना के बाद एसपी ने सभी थोनो को एलर्ट का दिया था। हंसडीहा पुलिस दोनों को 24 घंटे के अंदर नोनीहाट से गिरफ्तार करने में सफलता मिल गई। गुरुवार की रात हंसडीहा थाना प्रभारी सुगना मुंडा, सहायक अवर निरीक्षक मनोज सिंह के साथ पुलिस बल की टीम ने रात में छापेमारी कर दोनों को नोनीहाट से गिरफ्तार कर लिया ।थाना प्रभारी सुगना मुंडा ने बताया कि दोनों लुटेरों का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड रहा है ।सुशील साह अपने पुत्र की हत्या के आरोप में जेल जा चुका है वहीं मिथिलेश बाइक चोरी कांड में जेल गया है। इस लूटकांड में उपयोग किये बाइक को भी पुलिस ने बरामद कर लिया।

प्रखंड स्तरीय कार्य निष्पादन एवं मूल्यांकन समिति उन्मुखीकरण किया गया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार को लेकर जिला पंचायत राज पदाधिकारी महेश राम की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार में प्रखंड स्तरीय कार्य निष्पादन एवं मूल्यांकन समिति (इढढअउ) उन्मुखीकरण किया गया। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार (पंचायती राज मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति द्वारा चिन्हित) के तहत ब्लॉक, जिला, राज्य / संघ राज्य क्षेत्र और राष्ट्रीय स्तर पर पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) की बहु-स्तरीय पिरामिड प्रतियोगिता होगी जिसका परिणाम राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर 24 अप्रैल 2023 को दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत 9 विषयों पर विजेता घोषित किए जाएंगे.

(१) गरीबी मुक्त और बेहतर आजीविका वाले गांव (२) स्वस्थ गांव (३) बाल हितैषी गांव (४) पर्याप्त जल वाले गांव (५) स्वच्छ और हरित गांव (६) आत्मनिर्भर बुनियादी संरचना वाले गांव (७) सामाजिक रूप से संरक्षित गांव (८) सुशासन वाले गांव (९) महिला हितैषी गांव।

जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्री महेश राम ने बताया कि इन विषयों के तहत त्रिस्तरीय पंचायतों को राष्ट्रीय स्तर पर 99 पुरस्कार दिए जाएंगे तथा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में उनके कार्य-निष्पादन हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा, पंचायत स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक व्यवस्थित योजना, कार्यान्वयन, मॉनिटरिंग और जवाबदेही, पंचायती राज संस्थानों को प्रोत्साहित करने के लिए, राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों का पुनर्गठन किया गया है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों के माध्यम से पंचायत योजना को प्रोत्साहन देने का उद्देश्य 9 चिन्हित विषयों के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में पंचायती राज संस्थानों के कार्य-निष्पादन का आकलन, पंचायती राज संस्थानों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना, 'पंचायती राज संस्थानों के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण' की प्रक्रिया को उत्प्रेरित करना और वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण प्राप्त करने के महत्व के बारे में पंचायती राज संस्थानों को जागरूक करना है। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को प्रखंड स्तर पर इस कार्य के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए तथा इस बार भी पूर्व की तरह जिला को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिले इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में डीपीएम जिला परिषद श्री रितेश कुमार एवं सभी प्रखंडों के कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, जेएसएलपीएस, पेयजल एवं स्वच्छता, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी ने भाग लिए।

संक्षिप्त समाचार

जमीन की मापी एवं मुआवजे की मांग को लेकर बीजीआर कंपनी के कोयला लोड डंपर को ग्रामीणों ने रोका

पाकुड़: (विनोद कुमार दास)। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के पचुवाड़ा पंचायत के बरमसिया पहाड़िया टोला के पास बरमसिया गाँव के आदिवासी रैयतों ने अपनी जमीन की नापी एवं मुआवजा सहित नौकरी की मांग को लेकर कोयला लोड डंपर को रोक कर दो घंटा जाम किया। रैयत श्रीनाथ मुर्मू, परमेश्वर मुर्मू, निस्पेक्टर मुर्मू ने बताया कि वर्षों पहले पहाड़िया लोगों के द्वारा आने-जाने के लिए पगडंडी का रास्ता बनाया गया था, उसी रास्ते से छोटे बड़े वाहनों का आना-जाना लगा रहा. लेकिन बीते 1 सितंबर से बीजीआर कॉल कंपनी के द्वारा बिना अनुमति, बिना भूमि अधिग्रहण के ही कोयला लोड डंपरों को इसी रास्ते से दुमका भेजने लगे। ग्रामीणों ने कहा की जबतक कंपनी हमारी जमीन की नापी करती है तबतक डंपर को आने जाने नहीं दिया जायेगा. इसकी जानकारी मिलते ही बीजीआर कंपनी के द्वारा कंपनी के अधिकारी जैम्स मुर्मू और रंजन मरांडी ग्रामीणों को समझाने बुझाने बरमसिया गांव पहुंचे. ग्रामीणों को काफी समझा बुझाने के बाद लोड गाड़ी को छोड़ दिया गया. ग्रामीणों ने कहा कि सड़क को नापी होने के बाद वाहनों का आवागमन करने दिया जायेगा. इस संबंध में बीजीआर कंपनी पीआरओ संजय बेसरा ने बताया की जमीन की माफी को लेकर रैयत एवं उनके रिश्तेदार ने डंफर को रोका था जो अब छोड़ दिया गया है.

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का शुभारंभ, स्थानीय नीति पारित होने पर एक दुसरे को दी बधाई

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा कांग्रेस भवन पाकुड़ से भारत जोड़ो यात्रा का शुभारंभ गांधी चौक तक जाएगा। वहां पहुंचने के उपरांत बारिश के कारण स्थगित हुए कार्यक्रम के आलोक में एक दूसरे को मिठाई खिलाकर 27% ओबीसी आरक्षण एवं 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति पारित होने पर बधाई देंगे। उपरोक्त कार्यक्रम में सम्मिलित लोगो में प्रभारी जिलाध्यक्ष गुलाम अहमद, पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मंसारूल हक, वरिष्ठ कांग्रेसी सेमीनुल इस्लाम, जिला महासचिव श्रीकुमार सरकार एवं अवधेश कुमार झा, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष तस्लीम आरिफ, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शाहीन परवेज, ओबीसी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष आमिर हमजा, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, जिला सचिव कृष्णा यादव, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सज्जाद मेहना, रामविलास महतो, हारून मुखिया, मोतीउर रहमान, अब्दुल बशीर, फरमान अली, सिराजुद्दीन शेख, सईद अनवर, मो सफीक, मिथुन मरांडी, अबू ताहिर, असगर अली, सोनू आलम आदि मौजूद थे।

हथियार से लैस अपराधियों ने क्रेशर प्लांट में डकैती की घटना को दिया अंजाम

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। हथियार से लैस अपराधियों ने नगर थाना क्षेत्र के मालीपाड़ा स्थित अली बाबू के बंद क्रेशर प्लांट में देर रात्रि लगभग 12 बजे डकैती की घटना को अंजाम दिया गया है। नाईट गार्ड की ड्यूटी पर तैनात जालिम घोष ने नगर थाना में अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराया है। सूत्र की माने तो अपराधी लगभग 8 से 10 की संख्या में थे। ब्लैक कलर का स्कोर्पियो गाड़ी में सवार अपराधी अपने साथ छोटा हाथी गाड़ी भी लेकर आये थे। अपराधी नाईट गार्ड को मारपीट कर घायल कर दिया इसके बाद दोनों हाथ और पैर को बांध कर आमबगान में फेंक दिया। इसके बाद कार्यालय में रखे मोटरसाइकिल सहित क्रेशर प्लांट का समान लेकर भाग गए.

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सेल्फी विद केंपस अभियान का किया शुभारंभ

हिरणपुर(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हिरणपुर इकाई द्वारा अभाविप झारखंड के आ''ान पर देशव्यापी सेल्फी विद केंपस अभियान का शुभारंभ मॉडल प्लस टू विद्यालय हिरणपुर इकाई के छात्राओं के साथ संपन्न हुआ।

सेल्फी विद कैंपस के माध्यम से विद्यार्थी परिषद प्रत्येक शैक्षणिक परिसरों में अपनी इकाई गठन कर छात्र-छात्राओं के बीच उनकी समस्याओं का समाधान करने हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का प्रयास करेगी। इस अवसर पर जिला संयोजक बम भोला उपाध्याय ने प्लस टू इकाई के अध्यक्ष के रूप में सुलभ मंडल एवं उपाध्यक्ष के रूप में श्याम दे के नाम की घोषणा की। अभाविप की परिसर इकाई के छात्र छात्राओं की समस्याओं के समाधान हेतु कार्य करेगी। इस अवसर पर बम भोला उपाध्याय ने बताया कि जहां जहां परिसर न- वहां वहां परिषद के संकल्प के साथ विद्यार्थी परिषद छात्र हितों में कार्य करते हुए छात्रों को राष्ट्र को पुनर्निर्माण हेतु सकारात्मक दिशा प्रदान करने का कार्य करेगी। विद्यार्थी परिषद के जिले भर में सदस्यता अभियान के निमित्त 6000 से भी ज्यादा छात्रों ने परिषद की सदस्यता ग्रहण की है परिषद के प्रति छात्रों का विश्वास और प्रबल हो रहा है। इस अवसर पर नगर सह मंत्री सुरोजित मंडल, सूरज पंडित, विश्वजीत, अक्षय विक्रम, सोनू यादव, देव, कंचन, सिंपु, आयुष आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

11 सूत्री माँगो के समर्थन में पाकुड़िया अंचल में कार्यरत राजस्व कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। झारखंड राज्य राजस्व उप निरीक्षक संघ के आ''ान पर 11 सूत्री माँगो के समर्थन में पाकुड़िया अंचल में कार्यरत सभी राजस्व कर्मचारी शुक्रवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। अंचल निरीक्षक सह राजस्व कर्मचारी सुभाष यादव ने बताया कि 10.10.2019 के समझौते के आधार पर प्रोन्नति हेतु ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा में राजस्व उपनिरीक्षकों का कार्यानुभव 10 वर्ष के स्थान पर पाँच वर्ष करने, राजस्व प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने,समझौते के अनुसार सभी राजस्व उपनिरीक्षकों को लैपटॉप व इंटरनेट की सुविधा हेतु खर्च उपलब्ध कराने, हल्का ईकाई का पूर्नगठन करने। 10.10.2019 के समझौता के आधार पर सभी राजस्व उपनिरीक्षकों को त्वरित कार्य सम्पादन हेतु दो पहिया वाहन व ईंधन खर्च उपलब्ध कराने, राजस्व उपनिरीक्षको को क्षेत्र भ्रमण के दौरान सुरक्षा मुहैया कराने, राजस्व उपनिरीक्षकों के रिक्त पदों को अविलम्ब प्रोन्नति देने,राजस्व उपनिरीक्षक के रिक्त पदों पर अविलम्ब नियुक्ति करने। वित्त विभाग के 01.08.2022 में जनगणना से समायोजित राजस्व उपनिरीक्षकों को पुरानी पेंशन योजना से जोड़ते हुए सभी राजस्व उपनिरीक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने। सहित अन्य माँगो को लेकर शुक्रवार से सभी राजस्व कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए, सरकार द्वारा जबतक इन माँगो को पूरा नही किया जाता हड़ताल जारी रहेगा ।

वन विभाग ने टाटा 1109 बिना नंबर ट्रक के साथ 60 पीस सेमल बोटा जब्त

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । रात्रि के करीब 12:00 बजे गुप्त सूचना के आधार पर वन प्रमण्डल पदाधिकारी रजनीश कुमार के निदेश पर वन क्षेत्र पदाधिकारी आर बी प्रसाद के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो गश्ती दल का गठन कर गुप्त सूचना के अनुसार हिरणपुर वन के विभिन्न विभिन्न क्षेत्रों में गश्ती दल को तैनात किया गया। इसी क्रम में रात्रि के करीब 01:30 बजे रक्सो एवं बड़ाकचना रोड पर एक ट्रक बहुत तेजी से आते देखा जिसे रोकने का प्रयास किया गया पर उक्त ट्रक काफी तेजी से आगे निकल गया, तभी गश्ती दल द्वारा वाहन से पीछा कर आगे से एवं पिछे से दोनों तरफ से उक्त ट्रक को घेर लिया गया, और उक्त ट्रक के समीप जाकर के देखा गया तो पाया

की ट्रक पर 10 पीस सेमल बोटा लोड है. वाहन चालक एवं ट्रक में सवार सभी लोग घनी जंगल एवं अंधेरा का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे. इसी क्रम में वनकर्मीयों एवं गश्ती दल द्वारा उक्त जंगल के आस-पास ईलाके में टॉर्च से देखने पर पाया की उक्त स्थल पर जंगल से बाहर के तरफ जो रास्ता आता है उसके अगल-बगल बहुत सारे सेमल के ताजा कटा बोटा पड़ा हुआ है, रात्रि होने के कारण हमलोगों ने उक्त वाहन सहित 10 सेमल बोटा को जब्त कर सुरक्षित हिरणपुर वन प्रक्षेत्र आना सुरक्षित समझें। पुनः 16 को सुबह से हमलोग अपनी पुरी टीम के साथ लकड़ी के सभी बोटो को एकत्रित कर प्रक्षेत्र कार्यालय हिरणपुर लाने का कार्य जारी है, वन विभाग द्वारा वन अपराधियों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है एवं गिरप्तारी के लिए छापामारी की जा रही है, वैसे शातिर वन अपराधियों को तुरन्त गिरप्तार कर जेल भेजने के लिए वन विभाग ने कमर कस ली है। गश्ती दल में मुख्य रूप से आर बी प्रसाद वन क्षेत्र पदाधिकारी, वनपाल बबलु कुमार देहरी, वनरक्षी निलू निकुदिमुस किस्कु, स्टीफन हेम्ब्रम, सुनील कुमार साहा, नसीरूल इस्लाम के साथ गृहरक्षक तथा वनकर्मी मौजूद थे। जब्त टाटा 1109 ट्रक बिना नंबर का एवं ऊसपर लदे 10 पीस सेमल बोटा एवं वर्तमान में स्थल पर पड़े लगभग 50 पीस सेमल बोटा को लाने का कार्य जारी है।

1932 खतियान नियोजन नीति प्रस्ताव पारित को लेकर कार्यकर्ताओ ने विधायक का किया स्वागत

हिरणपुर (पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। झारखण्ड में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के द्वारा 1932 खतियान आधारित नियोजन नीति बनाने की घोषणा होने साथ झामुमो कार्यकर्ताओ में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। गुरुवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिरणपुर स्थित आवास में विधायक दिनेश मरांडी को

फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। विधायक ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि झामुमो की घोषणापत्र में 1932 खतियान आधारित स्थानीय नियोजन नीति प्रमुखता से रही है। इसको लेकर सूबे के मुख्यमंत्री द्वारा चुनाव में जनता को दिए गए इस महत्वपूर्ण वादा को पूरा करने का कार्य किया है। झारखण्ड में रहने वाले सभी आदिवासी व मूलवासियों को ह×क व अधिकार मिले। इसके लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। इसको लेकर झारखण्ड सरकार की कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को पारित किया गया। इस नियोजन नीति से झारखण्ड के मूल वासियो को अधिकार मिला है। इसके अलावे अन्य 41 जनहित की प्रस्ताव पारित की गई है। वही पार्टी के जिला उपाध्यक्ष समद अली, अजीजुल इस्लाम व प्रखंड अध्यक्ष इसहाक अंसारी ने बताया कि राज्य सरकार के द्वारा झारखंडियों की वर्षो की सपना को पूरा किया गया। जिससे पूरे राज्य में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। इसको लेकर जिले भर में कार्यक्रम आयोजित कर लोगो को जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि अनीस अंसारी उर्फ पप्पू, छोटू मोमिन, जाकिर अंसारी, बबलू मुर्मू, रावण मरांडी, हाराधन गोराई आदि उपस्थित थे।

पाकुड़ पॉलीटेक्निक के छात्रों को बीजीआर देगी 5 लाख रुपये की छात्रवृत्ति

- **पाकुड़ पॉलीटेक्निक में आयोजित अभियंता दिवस एवं मॉडल प्रदर्शनी का समापन**

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । पॉलीटेक्निक में अभियंता दिवस के अवसर पर आयोजित मॉडल प्रदर्शनी का आज समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीवी नारायण, वाईस प्रेसिडेंट, इक्क्ष माइनिंग मौजूद रहे। दो दिवसीय इस प्रदर्शनी में संस्थान के छात्रों ने लगभग 40 मॉडल तैयार किये थे जिसमें मेटलर्जी शाखा के मॉडल को प्रथम, इलेक्ट्रिकल शाखा को द्वितीय एवं मैकेनिकल शाखा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विजेताओ को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और एक बड़ी घोषणा की कि प्रतिवर्ष पाकुड़ पॉलीटेक्निक के चुनिंदा होनहार छात्रों को बीजीआर कंपनी 5 लाख रुपये की छात्रवृत्ति देगी।

संस्थान के निदेशक अभिजीत कुमार एवं शासी निकाय की सदस्या रेणुका यशस्वी ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से संस्थान के प्राचार्य डॉ सरोज कुमार पाढी, मुख्य प्रशाशनिक पदाधिकारी निखिल चंद्रा, परीक्षा नियंत्रक अमित रंजन एवं सभी शिक्षकगण मौजूद थे।

मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने हिरणपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

हिरणपुर(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एमके टेकरीवाल ने हिरणपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सेंट्रल टीम आने से पूर्व कालाजार पंजी एवं दस्तावेज का अद्यतन करने की बस्तु स्थिति का अवलोकन किये । इस संबंध में मुख्य चिकित्सा

पदाधिकारी एमके टेकरीवाल ने बताया कि निरीक्षण का मुख्य उद्देश हिरणपुर लिट्टीपाड़ा आदि स्वास्थ्य केंद्रों में हमारी कार्य व्यवस्था ठीक ढंग से चल रही है कि नहीं देखना था। इन्होंने बताया कि कालाजार उन्मूलन को लेकर और इससे संबंधित सभी दस्तावेज, पंजी का निरीक्षण करने दिल्ली से सेंट्रल टीम आ रही है, उससे पूर्व मैं खुद सभी जगह जाकर सारी व्यवस्था का अवलोकन कर रहा हूं, यहां काम अच्छा चल रहा है, सेंट्रल टीम के निरीक्षण के बाद ही पता चलेगा कि कालाजार मुक्त हिरणपुर लिट्टीपाड़ा प्रखंड कालाजार मुक्त हो पाएगा कि नहीं। उन्होंने कहा हमारे पूरे टीम एमटीएस, एटीएस आदि अच्छा से काम कर रहे हैं, सारे दस्तावेज पंजी ढंग से और अवस्थित है, हमारा प्रयास रहेगा की कालाजार मुक्त बनाने का इसी के निमित्त निरीक्षण करने पहुंचे हैं। मौके पर सभी एमटीएस, एटीएस के अलावे हिरणपुर चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार सिंह उपस्थित थे।

झारखंड 1932 खतियान लागू होने को लेकर पाकुड़ के आदिवासी छात्रों ने निकाला विजय जुलूस

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । पाकुड़ के छात्रों ने विजय जुलूस में रविंद्र चौक से सिद्धू कान्हू पार्क तक पटाखे और अबीर गुलाल लगाकर खुशी का इजहार किया. छात्रनायक जूलियस हांसदा और कमल मुर्मू की अगुवाई में दर्जनों छात्रों ने रविंद्र चौक से लेकर सिद्धू कान्हू मुर्मू पार्क तक पहुंच कर पार्क में स्थापित सिद्धू कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. आदिवासी कल्याण बालक छात्रावास के छात्र नायक जूलियस हांसदा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि खतियान 1932 के बगैर आदिवासियों की पहचान अस्मिता, संस्कृति विलुप्त हो रही थी यहां की जल, जंगल,

जमीन लूटा जा रहा था। खनिज पदार्थ ओने-पौने दाम में बाहरी लोगों द्वारा लूटा जा रहा था। यहां तक की नौकरी भी छीना जा रहा था।

आदिवासियों के हक अधिकार छीना जा रहा था, आदिवासी गरीब होते जा रहे थे, और बाहरी लोग धन,बल के माध्यम से पैसे के बल पर धन्ना-सेठ होते जा रहे थे।आदिवासियों के इन सभी हक और अधिकार के लिए हमारे वीर शहीद बाबा तिलकामांझी, वीर शहीद सिद्धू कान्हू, बिरसा मुंडा के साथ कई महापुरुष ने अपनी जान की कुर्बानी दी पर उनके सपनों का भारत आजादी के 75 वर्ष बाद और झारखंड अलग होने के 22 वर्ष बाद साकार होते दिख रहा है।वरिष्ठ छात्र नेता कमल मुर्मू ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा की हमारे वीर सपूतों का सपनों को साकार करने में बोरियो विधायक लेबीन हेंब्रम का बहुत बड़ा योगदान रहा श्री मुर्मू ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाई देते हुए कहा कि 14 सितंबर 22 बहुत ही यादगार दिन होगा क्योंकि खतियान 1932 लागू करने की मुहर कैबिनेट में लगा दी। उक्त कार्यक्रम में शिवलाल मरांडी, जीतनराम मुर्मू, कैलाश मरांडी, परवीन मरांडी, विनयलाल मरांडी सहित दर्जनों छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

जेएसएलपीएस के जोहार परियोजना के 30 लाभुको को 50 मुर्गी चूज़ा, 2 ड्रिंकर, 2 फीडर, 10 किलो मुर्गी दाना का किया वितरण

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, ग्रामीण विकास विभाग के जोहार परियोजना के अंतर्गत संथाल परगना प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा पकुडिया प्रखंड के राधानगर, बंनोग्राम, बंगावाड़ी और बसंतपुर गावँ में मुर्गी चूज़ा बैकयार्ड पोल्ट्री योजना अंतर्गत सोनाली वेरायटी का कुल 30 लाभुको को 50 मुर्गी चूज़ा, 2 ड्रिंकर,

2 फीडर, 10 किलो मुर्गी दाना प्रति लाभुक करके निःशुल्क वितरण किया गया। जोहार परियोजना के तहत प्रत्येक उत्पादक समूह के सदस्यों को मुर्गी का चूजा हेतु 2400, कार्यशील पूंजी 1600 एवं 3500 रुपया मुर्गी का शेड बनाने के लिए भी राशि दिया गया है ।जोहार परियोजना का मुख्य उद्देश्य समूह के दीदियों के आय को दुगुना करना है, जिसके तहत सरकार एवं जेएसएलपीएस इस दिशा में प्रयासरत हैं और उनको समय-समय पर योजना का लाभ देकर के उनकी आय को बढ़ाने में सहायता कर रहा है। मौके पर बीपीओ राजीव कुमार, एफटीसी सनत बास्की और मार्केटिंग मैनेजर सूरज कुमार तथा उत्पादक समूह की सदस्य उपस्थित थी।

झारखण्ड देखो
Jharkhand Dekho
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल परगना महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस के उपलक्षय पर रसायन शास्त्र विभाग द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव ने की। जैसा कि हम जानते हैं विश्व ओजोन दिवस हर साल 16 सितंबर को मनाया जाता है। इसे ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में भी जाना जाता है। इस तारीख को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1994 में नामित किया गया था। रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ वेद प्रकाश सहाय ने कहा कि ओजोन परत पृथ्वी के समताप मंडल का एक क्षेत्र है जो सूर्य के अधिकांश पराबैगनी किरणों को अवशोषित करता है। इसमें वायुमंडल के अन्य भागों की तुलना में ओज़ोन की उच्च मात्रा होती है। यह मुख्य रूप से समताप मंडल के निचले हिस्से में पाया जाता है। इस जागरूकता कार्यक्रम में रसायन शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों के द्वारा पीपीटी के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी गई। जिनमें मुख्य रूप से वागीशा, हेमंत, मिथुन, अविनाश तथा सम्पा ने बेहतरीन प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के शुरुआत में अंजली कुमारी ने सभी अतिथियों एवं कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन तथा विश्वविद्यालय के कुल गीत से किया गया। विभाग के शिक्षक तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ कुमार सौरभ ने कहा की ओजोन परत पृथ्वी का सुरक्षा कवच है जो सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणों के दुष्प्रभाव से हमें बचाती है। अतः इस जागरूकता कार्यक्रम के जरिए अपने विद्यार्थियों से उन्होंने आ''ान किया कि आइए, विश्व ओजोन परत संरक्षण दिवस पर हम सब मिलकर जीवन रक्षक ओजोन परत के संरक्षण के लिए पर्यावरण एवं प्रकृति की रक्षा का संकल्प लें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव ने कहा कि ओजोन की सुरक्षा से ही धरती पर जीवन सुखद तथा आनंदमयी होगा। धरती पर जीवन को सुरक्षित रखने हेतु हम सभी इस अंतर्राष्ट्रीय ओजोन संरक्षण दिवस पर ओजोन को हानि पहुंचाने वाली वस्तुओं के उपयोग से बचने तथा पौधारोपण करने का संकल्प लें। मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ ट्रिज़ा जेनिफर टोप्पो ने कहा कि आज मानव जाति की मानसिकता में ओजोन परत के संरक्षण के प्रति एक सकारात्मक सोच आने की आवश्यकता है। साथ ही साथ ओजोन संरक्षण में पौधारोपण करना, जहरीले रसायनों का उत्पादन कम हो इसका प्रयास करना, आदि बातों को रखा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हिमांशु डुंगडुंग, डॉ पूजा गुप्ता, डॉ विनीता रानी टोप्पो, डॉ इंद्रजीत कुमार, प्रियांशु, बिट्टू, सीमा, फ्रेंसिस्का, जुली, तथा रसायन शास्त्र विभाग के अनेकों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

संक्षिप्त समाचार

डीएवी कास्टर टाउन, देवघर में नई शिक्षा नीति- 2020 के संदर्भ में संगोष्ठी का आयोजन

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल कास्टर टाउन, देवघर में नई शिक्षा नीति -2020 के संदर्भ में शिक्षकों के बीच संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी भाषा के मास्टर ट्रेनर सर्वेश्वर पांडेय ने सभी शिक्षकों को नई शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न तथ्यों को बच्चों के सर्वांगीण विकास में आवशयक नई गतिविधियों पर आधारित महत्वपूर्ण विभिन्न दक्षता कौशलों को सविस्तार समझाया।इस मौके पर उपस्थित प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति -2020 का उद्देशय हमारे समाज के विकास की अनिवार्यता पूरा करना है। यह नीति भारत की परंपराओं और मूल्य प्रणालियों पर आधारित व्यक्तित्व का निर्माण करते हुए 21वीं सदी में शिक्षा की आकांक्षाओं को लक्षय के साथ पूरा करेगी। नई शिक्षा नीति की परिकल्पना एक नए भारत का निर्माण करेगी और युवाओं को नई -नई तकनीक की जानकारी और विज्ञान के क्षेत्र में आगे आने का अवसर मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि मातृभाषा में सीखना और सिखाना ज्यादा सहज है। इस नई शिक्षा नीति में इन बातों पर जोर दिया गया है। बच्चों में नवीन प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए शिक्षकों को रचनात्मक एवं सृजनात्मक सोच रखनी चाहिए।उक्त बातों की जानकारी मीडिया प्रभारी अमित कुमार सिंह ने दी।

आजसू की जिला कमेटी विस्तार हेतु बैठक कल

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शुक्रवार 16 सितंबर को आजसू पार्टी के देवघर जिला अध्यक्ष आदर्श लक्षय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि रविवार 18 सितंबर को सुबह 11 बजे से देवघर जिला कमेटी गठन (जिला कमेटी विस्तार बैठक) श्री वाटिका एण्ड मेरिज हॉल, सीता होटल के बगल में, बिलासी टाउन, देवघर में रखा गया है। उक्त बैठक में देवघर जिले के सभी केन्द्रीय पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, नगर के पदाधिकारी, सभी 10 प्रखण्ड के पदाधिकारी की मौजूदगी अनिवार्य रहेगी।उक्त बैठक में जिला कमेटी विस्तार करने के साथ-साथ देवघर जिला क्षेत्र में आगे की रणनीति पर भी चर्चा किया जाएगा।

थैंक्स गॉड में भगवान चित्रगुप्त के अश्लील चित्रण को लेकर दर्ज करवाया एफआईआर

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शुक्रवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ,देवघर के द्वारा अजय देवगन की फिल्म थेंक्स गॉड जिसमें चित्रगुप्त भगवान का अश्लील चित्रण करते हुए कायस्थों के धार्मिक भावना के साथ खिलवाड़ किया है,के विरोध में देवघर नगर थाना में एक एफआईआर किया गया है।एफआईआर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा देवघर के जिला अध्यक्ष निर्मल प्रकाश दीपक के द्वारा किया गया।इस दौरान मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष सह संताल परगना प्रभारी चन्द्र विजय प्रसाद चंदन, प्रमंडलीय सचिव राजेश प्रसाद, महासचिव प्रो विनोद कुमार लाल सचिव विनय कुमार सिन्हा ,डॉ गोपाल जी शरण, कार्यकारिणी सदस्य विश्वजीत श्रीवास्तव,संयुक्त सचिव विल्सन कुमार सिन्हा ,संयुक्त सचिव शशि भूषण निराला,कार्यकारिणी सदस्य पंकज कुमार सिन्हा,प्रभाकर सिन्हा ,निरंजन कुमार सिन्हा, संजय कुमार सिन्हा ,प्रशांत कुमार सिन्हा,रमण कुमार सिन्हा,सौरभ कुमार सिन्हा, विनोद कुमार सिन्हा ,आकाश कुमार सिन्हा,अनंत सिन्हा, मुकुल कुमार सिन्हा, प्रभात कुमार जमुआर, विनय कुमार अंबष्ट,अनुज कुमार सिन्हा सहित बड़ी संख्या में चित्रांश उपस्थित थे ।

देवघर एम्स विश्व पटल पर कुछ ही दिनों बाद अपनी श्रेष्ठता साबित करेगा : एन के अरोरा

देवीपुर एम्स में आयोजित कार्यक्रम का हुआ समापन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवीपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान देवीपुर देवघर में सप्ताह भर से आयोजित कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को सम्पन्न हो गया।समारोह का उद्घाटन आईआईटी धनबाद के निदेशक सह मुख्य अतिथि राजीव शेखर, दरभंगा एम्स के निदेशक डा० माधवानंद कार, देवघर एम्स के निदेशक डा०सौरभ वार्षनेय , डिप्टी डायरेक्टर अमरेंद्र कुमार सिंह, प्रतिमा गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।सभी अतिथियों का स्वागत एम्स का मोमेंटो और अंग वस्त्र प्रदान कर किया।सभी मेडिकल स्टूडेंट्स को खेल,शिक्षा,संगीत नृत्य करने वालें छात्र छात्राओं को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र कर मुख्य अतिथि राजीव शेखर ने सम्मानित किया।समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते हुए एम्स देवघर के प्रेजिडेंट प्रोफेसर एन के अरोरा ने कहा देवघर एम्स विश्व पटल पर कुछ ही दिनों बाद अपनी श्रेष्ठता साबित करेगा।एम्स के निदेशक डा०सौरभ के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि इनके प्रयास से देवघर एम्स देश में अग्रिम पंक्ति पर कुछ ही समय के बाद खड़ा मिलेगा।मुख्य अतिथि सह आईआईटी धनबाद के निदेशक प्रोफेसर राजीव शेखर ने कहा एम्स में एक इंजिनियर को चीफ गेस्ट बनाने के लिए एम्स के निदेशक डा०सौरभ को धन्यवाद देते हुए कहा कि आईआईटी कानपुर शहर से 60 किलोमीटर विरान और जंगल एरिया में था जहां जाने के लिए रिक्शा भी नहीं मिलता था,पैदल पहुंचना पड़ता था।आज हमलोगों के प्रयास और मेहनत से देश का सर्वश्रेष्ठ इंजिनियरिंग कॉलेज बन गया है।उसी प्रकार डा०सौरभ वार्षन्येय के लग्न और मेहनत से देवघर एम्स देश दुनिया में अपनी पहचान बनाने में कामयाब होगा।समारोह को संबोधित करते हुए डा०सौरभ वार्षन्येय ने कहा कि एनबीसीसी और एनकेजी द्वारा एम्स का भवन निर्माण तेजी से किया जा रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एम्स का शिलान्यास किया था और एम्स हॉस्पिटल का उद्घाटन एयरपोर्ट के साथ किया था।केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनशुक मान्डवीय ने एम्स ओपीडी का शुभारंभ किया था,पहले मरीज का स्वागत हमलोगों ने ओपीडी में विभिन्न तरीके से किया था।हमारे यहां मेडिकल कॉलेज में 48 स्टूडेंट्स ने दाखिला लिया था जो इस सेसन में 100 तक हो गया है।60 की संख्या में एएनएम पढाई कर रही है।मेडिकल कॉलेज का भवन बनकर तैयार है,जिसमें स्टूडेंट्स को पढाया जाता है।अब शीघ्र ही हॉस्पिटल भवन बन जाने पर मरीजों का भर्ती और इमरजेंसी सेवा आरंभ करा दिया जायेगा।रॉटरी क्लब देवघर की ओर से 50 हजार पौधे लगाए गए हैं।कार्यक्रम का संचालन डा० ऋचा ने शानदार तरीके से किया और डा० प्रियंका राय ने समापन भाषण दिया।मौके पर एम्स के डिप्टी डायरेक्टर अमरेंद्र कुमार सिंह,एम्स के प्रभारी डा० एसआर पात्रा, प्रोफेसर हरमेन्द्र,डा0 राजीव कुमार, प्रोफेसर वनिता समेत सभी डाक्टर मेडिकल स्टूडेंट्स आदि मौजूद थे।

झामुमो नेता भूपेन सिंह ने मंत्री हफीजुल हसन को पर्यटक स्थलों का निर्माण हेतु सौंपा ज्ञापन

सारठ/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सारठ विधानसभा क्षेत्र के झामुमो नेता परिमल कुमार सिंह,भूपेन सिंह ने रांची में झारखण्ड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण पर्यटन कला संस्कृति खेलकूदएवं युवा कार्य निबंधन विभाग मंत्री हफीजुल हसन से उनके आवास पर मुलाकात कर सारठ व पालोजोरी में विभिन्न पर्यटक स्थलों का निर्माण कार्य हेतु ज्ञापन सौंपा।जिसमें कुकराहा दुर्गा मंदिर एवं तलझारी दुर्गा मंदिर में श्रद्धालु हेतु यात्री शेड का निर्माण।पथरडा पहाड़ एवं फुलज़ोरी पहाड़ में पर्यटन स्थल घोषित करते हुए पर्यटक हेतु आवशयक सुविधा एवं सिंचाई हेतु वर्षा पानी का जल संचय करने हेतु आवयशयक निर्माण कार्य कराने का आग्रह किए जिस पर उन्होंने अविलंब कराने का आश्वासन दिए।वही पर्यटन मंत्री हफीजुल हसन ने सभी निर्माण कार्य को जल्द स्वीकृति देने का आश्वासन दिया।

लायंस क्लब मधुपुर के द्वारा शांतिनिकेतन परिसर में गरीबों के बीच बाटा गया खाद्य सामग्री

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। लायंस क्लब मधुपुर के द्वारा शुक्रवार को शांतिनिकेतन परिसर में लायंस क्लब जिला 322 द्वारा 11 से 17 सितंबर तक गरीबों एवं भूखे लोगों के बीच फीड द हंगर सप्ताह चलाया जा रहा है । कार्यक्रम का उद्देशय गरीबों के बीच खाद्यसामग्री दान देकर समाज को जागरूक करने में सहयोग करना है।लायंस क्लब इंटरनेशनल के जिला 322 अंतर्गत सेवारत लायंस क्लब मधुपुर द्वारा शुक्रवार को फीड द हंगर (भूखों को भोजन) के तहत 150 से अधिक गरीबों के बीच चूड़ा, गुड, बिस्कुट, मुड़ी का वितरण किया गया गया। मौके पर लायन सदस्य अरुण गुटगुटिया, विमल टेकरीवाल, सुमन गुटगुटिया, प्रेम पाठक, महेंद्र घोष, सुरेश मिश्रा, उदय मारोदिया, नरेश भाई पटेल, शुभेंदु दास, दीपक जायसवाल, प्रतीक डालमिया, विजय लक्ष्मीरामका, वैभव डालमिया उपस्थित थे!

क्षणिकाएँ

1.
वो ,
अपराधियों की तरह,
भ्रष्टाचार को भी,
जड़ से उखाड़ फेंकेंगे;
ईमां के जमीं ,
पनपने नही देंगे गुनाह को,
है जोशे जवानी ऐसी भी कि,
सिक्का मर्जी का चलाएंगे,
स्वार्थ सिद्धि के तावे पर,
रोटी किसी ओर को
सेंकने नहीं देंगे।

2.
वो,
नही चाहते है कि,
अब न्यायालयों में,
'तारीख -पे- तारीख' की बातें
फिल्मों की तरह सुनाई दे,
हकीकत में जरा-भी
ये रीति कायम रहे;
सद्बुद्धि का उन्नत संस्कार हो,
छोड़े वकील भी जिद्द अपनी,
प्रवृत्ति मामला आगे खींचने की,
सोच बने ऐसी सार्थक
कि लोग,
बिना बिगाड़ की डर से,
ईमान की बातें ,
सबसे खुलकर कहे।

3.
वो,
देश की गरिमा को,
प्रजातांत्रिक धरोहर को,
अक्षुण्ण रखने को,
भावनाओं को जोड़ने को,
'भारत जोड़ो' अभियांन की
सफलता चाहते है,
यथार्थ साबित होने की,
परिकल्पना पालते है;
पर,
विश्वास की आवशयक तत्वों,
निष्पक्षता, वस्तुनिष्ठता,पारदर्शीता
को,
व्यवहारिक कसौटियों पर,
कसने के बजाय,
'कुर्सी' पाने की,
ललक में, चाहत में,
चिंता में , ख्यालात में
वक्त ज्यादा बिताते है,
ना सामने विपक्ष के,
दृढ़ निश्चयी होकर ,
काबिलें तारीफ़ कार्य दिखाने को,
उल्टे आपस में भीड़ जाते है,
स्वार्थ में टूट जाते है ,
तो कहीं रूठ वो,
हॉर्स ट्रेडिंग के बाजार में,
करोड़ों में बिक जाते है।

प्रस्तुति
डॉ विनोद कुमार शर्मा,
असिस्टेंट प्रोफेसर,
(नैदानिक मनोवैज्ञानिक)
विभागाध्यक्ष
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग
सि का मु विवि, दुमका।

पूर्व रेलवे भारत स्काउट एंड गाइड के बच्चों के द्वारा स्वच्छता को लेकर लोगों को किया जागरूक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मधुपुर। मधुपुर स्टेशन के मुख्य गेट पर शुक्रवार को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत रेल यात्रियों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पूर्व रेलवे भारत स्काउट एंड गाइड के बच्चों के द्वारा नुक्कड़ नाटक आप की साझेदारी लेखक और निर्देशक शीर्षनदु सेनगुप्ता आईटीआई मधुपुर स्वच्छता पखवाड़ा स्वच्छ भारत स्वच्छ रेल के तहत शुक्रवार को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेल यात्रियों को जागरूक किया और जहां तहां गंदगी नहीं फैलाने की अपील की गई। वहीं उपस्थित लोगों ने स्वच्छता पखवाड़ा स्वच्छ भारत स्वच्छता को लेकर शपथ लिया। मौके पर भारत स्काउट गाइड के छात्रों ने स्वच्छता रखने का संदेश दिया वही। टिकट निरीक्षक आरपीएफ के कर्मचारियों के द्वारा स्वच्छता अपनाने का संकल्प लिया और रेल यात्रियों को संदेश दिया कि महात्मा गांधी के मार्गदर्शन पर चलकर रेलवे को स्वच्छ रखें। इस नुक्कड़ नाटक को देखकर लोगों ने काफी सराहना की। नुक्कड़ नाटक में राहुल ठाकुर, राज मंडल, हिमेश कुमार, विवेक गुप्ता, राजकुमार, अनिल कुमार, बजरंग देव की सराहनीय भूमिका रही।मौके पर स्टेशन प्रबंधक एसएस पाठक सीटीआई अमरदीप कुमार, सीआईटीजी अशोक कुमार बारी, सीआईटी एसएस पासवान, बुकिंग पर्यवेक्षक महतो जी, पार्सल पर्यवेक्षक मेहता जी, स्वास्थ्य निरीक्षक एके सिंह आरपीएफ सब इंस्पेक्टर धर्मेंद्र प्रसाद,मुकेश कुमार रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी व जवान मौजूद थे!

एनएसयूआई नेता नसीम हुसैन ने एसटी छात्रावास का लिया जायज़ा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। शुक्रवार को देवघर जिला एनएसयूआई की टीम देवघर एस टी छात्रावास का जायज़ा लिया। मौके पर एनएसयूआई नेता नसीम हुसैन ने कहा की छात्र जोड़ो अभियान के माध्यम से हम छात्रों की सभी समस्याओं से अवगत हो पाए है। वही छात्रों की मूलभूत समस्याओं को सुना। जिसमे छात्र नायक द्वारा छात्रावास की समस्याओं से अवगत कराया गया जिसमें रसोईघर में साफ सफाई नहीं थी, और पहले मंज़िल में शौचालय टूटी फूटी है शौचालय में इतनी दुर्गंध है कि वह दुर्गंध रसोईघर तथा कमरों तक दुर्गंध फैली हुई है। जिससे छात्र बीमार रहते है और दुर्गंध से छात्र कमरे में रह नहीं पाते। वहीं दूसरी मंजिल पर शौचालय के मरम्मत के नाम पर सालों से बंद रखा गया है जबकि छात्रों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पेयजल व्यवस्था भी नहीं है।

एक नल लगा हुआ है मगर पानी नहीं आता है और छात्रावास में बिजली की भी समस्याएं हैं। बल्ब की कमी है और बिजली भी नहीं रहती है। जिस कारण अंधेरे में छात्र पढ़ाई नही कर पाते है। सभी समस्याओं को देखते हुए एनएसयूआई नेता नसीम हुसैन ने आश्वासन देते हुए कहा कि शीघ्र सभी समस्याओं का समाधान के लिए स्थानीय मंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। शौचालय की मरम्मत और बिजली व्यवस्था में सुदृढ़ीकरण तथा पेयजल का व्यवस्था, खेल के मैदान का मांग किया जाएगा। वही विश्वविद्यालय कुलपति को भी आवेदन देकर जल्द से जल्द सभी समस्याओं का निवारण करने का मांग किया जाएगा। और ऐसे ही एनएसयूआई छात्रों मुद्दों को लेकर आएगी और छात्र हित के लिए सदैव तत्पर रहेगी। एनएसयूआई सदैव छात्र हित के लिए खड़े रहती है और हमेशा छात्र हित का कार्य करेगी। मौके पर नगर अध्यक्ष उपाध्यक्ष गौरव भारद्वाज छात्र नायक राजदेव हंसदा कॉलेज सचिव मेहराब खान, मोहित कुमार रामकुमार यादव सुनील हंसदा, सोहन मुर्मू, राजेश सोरेन, सूरज हंसदा आदि दर्जनों छात्र उपस्थित थे।

युवक-युवतियां शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढे : मुनिया देवी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। शुक्रवार को नवभारत जागृति केंद्र द्वारा रोजगार ट्रेनिंग सेंटर चलाया जाता है। 3 माह की ट्रेनिंग पूरा होने पर जिसमें 127 लड़के तथा लड़कियां चार विभिन्न ट्रेड (जनरल ड्यूटी असिस्टेंट ,ब्यूटीशियन, अकाउंट इंस्टिट्यूट टैली, तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर) ट्रेड शामिल थे सभी को सर्टिफिकेट दिया गया।कार्यक्रम की शुरुआत जिला परिषद् अध्यक्ष मुनिया देवी के रूप में आए अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यकर्म में बतौर विशिष्ट अतिथि राजीव कुमार सिंह (स्टेट प्रोग्राम मैनेजर)के द्वारा कार्यक्रम की पूरी जानकारी डिटेल में दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती मुनिया देवी जी (जिला परिषद अध्यक्ष) जी ने ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम मे सुभाष इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर श्री विजय कुमार सिंह की शिक्षिका विनीता कुमारी , डॉ अशोक कुमार वर्मा (सिटी हॉस्पिटल के संचालक) और समाज सेवी मनीष कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम में रोजगार ट्रेनिंग सेंटर की संचालिका रूमाना अजमत, रणवीर कुमार सिंह, प्रमोद कुमार, विशाल वर्मा,रोसलिन टूडू एवं पूनम ठाकुर आदि उपस्थित थे ।

नगर निगम के तमाम कर्मचारी 20 तारीख से जाएंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

● लाखों का टेंडर हो सकता है,पर कर्मचारी के वेतन के लिए रोना रोते हैं आयुक्त : संजय मंडल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। स्थानीय नगर निगम डिपो परिसर मे सफाई कर्मियों के साथ अहम बैठक किया गया। झारखंड लोकल बॉडी इंप्लाइज फेडरेशन के जिला अध्यक्ष संजय मंडल ने बैठक का नेतृत्व का नेतृत्व किया।फेडरेशन के अध्यक्ष संजय मंडल ने कहा है की आगामी 20 सितंबर से तमाम कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।सरकार से 5 सूत्री मांगों पर कई बार वार्ता लिखित समझौता के बावजूद आज तक मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है इससे कर्मचारियों में सरकार के प्रति काफी आक्रोश व्याप्त है।श्री मंडल ने बताया है कि बरसों से काम करने वाले दैनिक कर्मियों का नियमित करने का मांग,नियमित कर्मचारियों को आवंटन मद के राशि को 100% देने की मांग,पेंशन मध्य में पूर्ण राशि सरकारी भत्ते देने की मांग एवं अन्य मांगों को लेकर के पूरे राज्य के निकाय के कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल में चले जाएंगे।जिसकी सारी जवाब देही राज्य सरकार की होगी।वहीं दूसरी ओर फेडरेशन के अध्यक्ष ने बताया की देवघर नगर निगम में प्रतिदिन समस्याओं का अंबार लगता जा रहा है लेकिन नगर आयुक्त मौन धारण किए हुए हैं।देवघर नगर निगम के कर्मचारियों को 2 माह से वेतन नहीं दिया जा रहा है।हर बार नगर आयुक्त के द्वारा रोना रोया जाता है कि फंड में पैसा नहीं है। जबकि लाखों लाख का टेंडर किया जाता है उसमें पैसे कहां से आ रहे हैं।जहां कमीशन का खेल है वहां नगर निगम में पैसे आ जाते हैं और जब कर्मचारियों को वेतन देने की बात आती है तो फंड में पैसा खत्म हो जाता है यह दो नीति नगर निगम में नहीं चलने देंगे।नगर आयुक्त समय पर वेतन भुगतान करें अन्यथा अनिश्चितकालीन हड़ताल के साथ-साथ नगर आयुक्त के खिलाफ सड़क पर लोग उतर जाएंगे। बैठक में मुख्यरूप से बिरजू राम,रोशन राम,सुनील राम,प्रदीप राम, पप्पू मेहतर,सूरज दयाल चंद्रवंशी सहित सैकड़ो कर्मी उपस्थित थे।

दिल्ली में 18 सितंबर को होगा आम आदमी पार्टी का राष्ट्रीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन

सम्मेलन में झारखण्ड के जनप्रतिनिधि एवं प्रदेश पदाधिकारी होंगे शामिल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आ''ान पर दिल्ली में आगामी 18 सितंबर 2022 को राष्ट्रीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आम आदमी पार्टी के देश भर में चुने गए जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। यह पहला राष्ट्रीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन होगा जिसकी अध्यक्षता अरविन्द केजरीवाल करेंगे। उक्त जानकारी आम आदमी पार्टी झारखंड के प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने शुक्रवार को दिल्ली रवाना होने से पूर्व दी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के देश भर में चुने गए सभी विधायक, राज्यसभा सांसद, पार्षद, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य,मुखिया, ग्राम पंचायत सदस्य,चेयरमैन, मेयर,प्रखंड प्रमुख समेत अन्य जन प्रतिनिधि इस सम्मेलन में शामिल होंगे। श्री शर्मा ने कहा कि झारखण्ड प्रदेश से भी एक दल प्रदेश संयोजक डी एन सिंह के नेतृत्व में दिल्ली जा रहा है जिसमें संयोजक, उप संयोजक, प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश सचिव, कार्यकारी सचिव , प्रदेश प्रवक्ता समेत प्रदेश कमेटी के अन्य पदाधिकारीगण और झारखण्ड के सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल देश भर में चल रहे भाजपा के ऑपरेशन लोटस के साथ पार्टी संगठन की मजबूती पर भी जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे। इस सम्मेलन में ₹आप₹ के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत देश भर में चुने गए सभी विधायक और राज्यसभा सांसद भी शामिल होंगे। दिल्ली में पार्टी द्वारा रविवार को होने जा रहे इस राष्ट्रीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन की तैयारियां पूरे जोरों पर चल रही है। जन प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल लोग राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मार्ग दर्शन प्राप्त करेंगे। इस बैठक में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन लोटस पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। पहले दिल्ली में ऑपरेशन लोटस के तहत आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने का लालच दिया गया। जब वे नहीं टूट पाए, तो फिर दिल्ली के विधायकों को 20-20 करोड़ रुपए का ऑफर देकर खरीदने की कोशिश की गई, ताकि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को गिराया जा सके। लेकिन आम आदमी पार्टी के विधायकों की ईमानदारी और उनकी जनता के प्रति जवाबदेही की वजह से दिल्ली में ऑपरेशन लोटस असफल हो गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में ऑपरेशन लोटस असफल होने के बाद अब पंजाब में इसका प्रयोग किया जा रहा है और पंजाब में आम आदमी पार्टी के 10-12 विधायकों से संपर्क कर उनको 25-25 करोड़ रुपए का ऑफर दिया गया, लेकिन यहाँ भी ऑपरेशन लोटस फेल हो गया। आम आदमी पार्टी ने दोनों ही मामलों का मीडिया के सामने आकर पर्दाफाश किया। इन सब बिंदुओ पर इस सम्मलेन में आये सभी जन प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की जाएगी और उनके सुझावों को सुना जाएगा, ताकि उस राज्य में संगठन को मजबूत करने की दिशा में ठोस पहल की जा सके। श्री शर्मा ने कहा कि पार्टी का मानना है कि यह जन प्रतिनिधि सम्मलेन केंद्रीय नेतृत्व को पंचायत स्तर तक के प्रतिनिधियों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा और इससे पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को देश भर में मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

डीएवी की आराध्या प्रिया मुख्यमंत्री से सम्मानित

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल भंडारकोला की आठवीं की छात्रा आराध्या को शिक्षा और समाज विषय पर लघु कथा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रमाण पत्र व 5000 नगद राशि से सम्मानित कियो कार्यक्रम के तहत 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर झारखंड सरकार द्वारा रांची में पुरस्कार वितरण समारोह में यह सम्मान दिया गयोविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय कुमार ने आराध्या की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है

विश्वकर्मा व दुर्गा पूजा पर्व को लेकर नगर परिषद की ओर से चलाया जा रहा है विशेष सफाई अभियान

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शहरी क्षेत्र को स्वच्छ व सुंदर बनाने के मकसद से नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी सह एसडीओ दिनेश कुमार यादव एवं नगर परिषद उपाध्यक्ष जियाउल हक उर्फ टार्जन के निर्देश पर दुर्गा पूजा को लेकर विशेष सफाई अभियान तेज कर दिया गया है। इस संबंध सफाई प्रभारी रामचंद्र राम की देखरेख में मधुपुर शहर के न्यू कॉलोनी, काली पुरटाउन स्थित दुर्गा पंडाल के रेलवे कॉलोनी खालासी मुहल्ला, शेखपुरा दुर्गा पंडाल मैं सफाई अभियान चलाया गया इसके अलावा सभी दुर्गा मंदिरों व पूजा पंडालों मैं प्राथमिकता के आधार पर समुचित सफाई की जा रही है। ताकि नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो सकें। उन्होंने कहा कि शहर व मोहल्लेवासी सड़कों एवं गलियों में कहीं भी कचरा और गंदगी जमा हो तो तुरंत नगर परिषद को सूचना दे ताकि काम जल्द से जल्द सफाई कर्मी भेज कर काम कराया जाएगा ताकि किसी को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

1932 खतियान स्थानीय नीति लागू होने पर जेएमएम कार्यकर्ताओं ने निकाला आभार यात्रा

डुमरी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड वासियों की बहुप्रतीक्षित मांग 1932 खतियान स्थानीय नीति लागू करने और ओबीसी को 27% आरक्षण देने की मांग को मंजूरी मिलने के बाद डुमरी प्रखंड में जश्न का माहौल है। इसी को लेकर डुमरी विधायक सह सूबे के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के नेतृत्व में आभार यात्रा निकाली गई। इस दौरान झामुमो के कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और मिठाइयां बांटी गई। तथा सभी युवा वर्गों में हर्षोल्लास का माहौल देखा गया। वही झारखंडी गाने में झामुमो कार्यकर्ताओं ने जमकर नृत्य किया। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार ने झारखंडयों के बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करने का काम किया है तब झारखंड के मूलवासी को इसका लाभ मिल पाएगा और अन्य राज्यों की तरह झारखंड की स्थानीय नीति परिभाषित हो पाएगी।वही मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष डेगलाल महतो कारी बरकत अली, राजकुमार पाण्डेय, उप प्रमुख उपेंद्र महतो, पंकज महतो,उमाशंकर महतो, राज कुमार मेहता, मिथिलेश महतो, सुबोध यादव, सोनू सोहेल, रवि मंडल, आदि हजारों हजार की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पारसनाथ इंटर और डिग्री महाविद्यालय का 38 वां स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी। पारसनाथ इंटर एवं डिग्री कॉलेज इसरी बाजार का 38वां स्थापना शुक्रवार को समारोह पूर्वक मनाया गया।कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से प्राध्यापक प्रो.केके पांडेय एवं प्रो.गौतम सिंह ने किया।मुख्य अतिथि के रूप में सूबे के शिक्षा मंत्री सह कॉलेज के अध्यक्ष जगरनाथ महतो व विशिष्ट अतिथि के रूप में कॉलेज सचिव डा.मृगेन्द्र नारायण सिंह एवं दोनों कॉलेज के प्राचार्य और संस्थापक प्राचार्य प्रो.टीसी मिश्रा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। तथा अतिथियों का स्वागत बुके देकर एवं शॉल ओढ़ाकर किया गया वहींडिग्री कॉलेज की छात्रा प्रियंका महतो ने शिक्षा मंत्री को उनका चित्र भेंट किया।कार्यक्रम के दौरान 2022 की स्नातक की फाइनल परीक्षा में विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया साथ ही इंटर की वार्षिक परीक्षा में विभिन्न संकायों में प्रथम टॉप आने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया।मंत्री ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने की अपील करते हुए कहा कि बोर्ड एवं इंटर परीक्षा मेंराज्य टॉप करने वाले बच्चों को उनके ओर से अल्टो कार दिया जाएगा जबकि राज्य सरकार की ओर से राज्य के तीन टॉपरों प्रथम,द्वितीय व तृतीय को क्रमशः3 लाख,2 लाख एवं 1 लाख बतौर आर्थिक सहयोग किये जाने का प्रावधान किया गया है।शिक्षा मंत्री ने कॉलेज के प्राध्यापकों से मन लगाकर पूरी ईमानदारी से बच्चों को पढ़ाने एवं ड्रेस कोड क्रमशः हरा पैंट,सादा कमीज एवं टाई लगाकर कॉलेज आने की सलाह दी।मंत्री ने कॉलेज कर्मियों से कहा कि आपलोग रिजल्ट दीजिये,आपकी हरेक समस्याओं का समाधान के लिए जगरनाथ महतो है।मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड की पहचान 1932 की खतियान आधारित नियोजन नीति,ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण व अन्य राज्यहित से संबंधित मुद्दे को कैबिनेट में पास प्रदेश वासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी कर दिया है।उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप लोगों को नौकरी लेने के लिए मेहनत से पढ़ाई करनी होगी।सरकार आपके साथ है।उन्होंने प्रोफेसरों से कहा कि आपकी पढ़ाई मजबूत और अच्छी रहेगी तो कॉलेज में बच्चों का नामांकन शत प्रतिशत होगा,जैसे नेतरहाट स्कूल जंगल के बीच में है फिर भी वहां बच्चों का नामांकन के लिए भीड़ होती है।इसकी वजह अच्छी पढ़ाई है।आप सब भी अच्छी पढ़ाई दीजिए,तभी हमारा झारखंड भी सब राज्यों से आगे रहेगा।इस दौरान डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डा.मनोज मिश्रा इंटर कॉलेज के प्राचार्य प्रो.गौरीशंकर पांडेय पूर्व प्राचार्य डा.शमसुल हक बीस सूत्री अध्यक्ष डेगलाल महतो झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो राजू उप प्रमुख उपेन्द्र महतो,बरकत अली,राजकुमार पांडेय, कैलाश महतो, पंकज महतो,डेगनारायण महतो, अजीत माथुर कॉलेज प्राध्यापक यशवन्त सिन्हा,गुलाब चंद यादव,फारूक अंसारी,डा शशि भूषण,राजकुमार मेहता, प्रियंका कुमारी,संगीता कुमारी, दिव्या रानी,प्रो रजनी कुमारी,प्रवीण पाण्डेय,प्रो योगेश प्रसाद, पिंटू पांडेय,संतोष पाठक,सपना सिन्हा आदि उपस्थित थे।

स्कूली नाबालिग छात्रा दुष्कर्म मामले में बिरनी पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया

बिरनी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखण्ड में बीते मंगलवार को दो नाबालिग स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया था । दुष्कर्म मामले को एसपी ने गम्भीरता से लेते हुए सरिया -बगोदर एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी दल गठन कर मंगलवार से ही छापेमारी करना शुरू कर दिया था। मुख्य आरोपी श्रीकांत वर्मा ने शुक्रवार थाने में स्वयं आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं पुलिस ने आरोपी को भगाने में सहयोग करने वाले 3 अन्य साथियों को छापेमारी कर गिरफ्तार किया। इसके अलावा बिरनी पुलिस ने सरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत चन्द्रमारणी के चार अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है । एसडीपीओ नौशाद आलम ने बताया कि चन्द्रमारणी के इन चारों लोगों ने नाबालिग स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का दबाव बनाने लगा इसके लिए राजी नहीं होने पर एक लाख रुपए मंगा जाना लगा। इस सबके लिए भी तैयार नहीं होने पर दुलार मंडल खुद इसकी गाड़ी में बैठकर गाड़ी को जंगल की ओर ले गया । जंगल मे स्कूली छात्राओं से जोर-जबरदस्ती करने के दौरान आसपास में जानवर चरा रही महिलाओं ने यह सब देखा जिसके बाद महिलाएं दौड़ कर गाड़ी के नजदीक पहुंची तब तक सभी आरोपी फरार हो चुके थे।

● **क्या था मामला-**

प्रखण्ड के दो नाबालिग स्कूली छात्रा से बीते मंगलवार को दुष्कर्म करने का मामला सामने आया था। परिजनों ने थाना में आवेदन देकर कहा था कि हमारी बेटी +2 उच्च विद्यालय पलौंजिया पढ़ने आई थी । फोटो कॉपी करने दुकान आई थी तभी श्रीकांत वर्मा बोलोरो गाड़ी डब्लू बी 26 के 0945 से आया और दोनों ही लड़कियों जो जबरन गाड़ी में बैठा लिया एवं हरदिया जंगल मे लगाया गाड़ी में श्रीकांत वर्मा एवं उसका ड्राइवर थे दोनों ने ही छात्राओं से दुष्कर्म किया था।

गिरफ्तार आरोपी में बिरनी थाना क्षेत्र के श्रीकांत वर्मा, संजय वर्मा, पवन पासवान, देवेंद्र पासवान तथा सरिया थाना क्षेत्र के दुलार मण्डल, मनोज प्रसाद, रौशन कुमार और सोनू कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर गिरिडीह न्यायालय में पेश किया है।

खरीफ कर्मशाला में प्रतिनिधियों ने उठाये सरकार की मंशा पर सवाल

बीज खाद एवं कृषि यंत्र कृषकों को उपलब्ध कराने में रहा विफल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमुआ। जमुआ में गुरुवार को खरीफ कर्मशाला का आयोजन प्रखण्ड सभागार में किया गया।सभागार में सुखाढ़ की स्थिति का जायजा लेने आयी रांची की टीम ने कर्मशाला में बतलाया कि जमूआ में 32 गांवो का रैंडम मुआयना करना है।इसके बाद उसका प्रतिवेदन सरकार को भेजना है।कर्मशाला में प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव ने कहा कि कृषि पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता एवं नाबार्ड के बीच समन्वय का अभाव है।कहा कि एफ पी ओ को भौगोलिक स्थिति के अनुसार बनाना होगा।कहा कि प्रतिनिधियों की देख रेख और अनुशंसा पर एफ पी ओ बने।कहा कि सभी पेक्सो को विभाग एक्टिवेट करे।सभी को धान क्रय केंद्र के रूप में चिन्हित करें।उप प्रमुख रब्बुल हसन रब्बानी ने कृषि उपकरणों के वितरण में पारदर्शिता की मांग की।जीप सदस्य सजंय हजरा ने कहा कि प्रगतिशील कृषकों को आगे बढ़ाना है। कर्मशाला में प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनिल कुमार गोस्वामी, प्रतापपुर के पंसस मो अब्दुल गफ्फूर अंसारी, धुरैता के पंसस अंजन सिन्हा, पंसस प्रतिनिधि पंकज यादव,पूर्व मुखिया ओमप्रकाश महतो,पूर्व पंसस सूरज नारायण देव,रामानन्द सिंह,भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष परमेश्वर यादव, कृषक मित्र बद्री यादव, मो अल्लाउद्दीन अंसारी,पवन शर्मा,जे एस एल पी एस के बीपीएम शिव बहादुर यादव, समन्वयक रामकिशोर यादव, कृषक नेता लक्ष्मण महतो प्रज्ञा केंद्र पोबी के संचालक सह सामाजिक कार्यकर्ता योगेश कुमार पांडेय,भामस के जिलाध्यक्ष रूपलाल रविदास ,पत्रकार सुभाष यादव ने विचार व्यक्त किए। प्रखर सामाजिक कार्यकर्ता एन एच आर सी सी बी जिलाध्यक्ष एवं पत्रकार योगेश कुमार पांडेय ने कहा कि पारम्परिक बीज को खत्म कर एक साजिश के तहत हमे बीज के लिए बड़ी बड़ी कम्पनियों को मोहताज बना दिया है।इसलिए हमें पारम्परिक बीजो को फिर से खोजना व संरक्षित करना होगा। प्रज्ञा केंद्र (सी एस सी) वी एल ई के लगनशीलता ,कार्य कुशलता के कारण जाति प्रमाण पत्र रजिस्ट्रेशन,झारखंड राज्य फ़सल राहत योजना में किसानों का रजिस्ट्रेशन में गिरिडीह जिला प्रदेश भर में प्रथम स्थान पर है। पारंपरिक बीज बचाने एवं वैकल्पिक कृषि की तैयारी के संकल्पों के साथ कर्मशाला का समापन किया गया।संचालन प्रखण्ड कृषक सलाहकार समिति के अध्यक्ष सुधीर द्विवेदी ने किया। उक्त अवसर पर जनसेवक रेणु यादव,संदीप कुमार,नित्यानंद चौधरी,अजय टुडू,ओमकारदेव,बसंत कुमार,कृषक उमेश राय ,सोनिया देवी सहित कृषक,जनसेवक मौजूद थे।

लगातार बारिश से गिरा घर, गाय की हुई मौत

सारठ/झारखंड/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। कल से हो रही लगातार बारिश से सारठ प्रखंड अंतर्गत कुकराहा पंचायत के सिकटिया के जयदेव सिंह का घर गिरने से उनके गाय की मौत हो गई और पीड़ित की पत्नी का हाथ टूट गया।कल दिन रात में हुई जोरदार बारिश में सुबह उन्होंने देखा तो गाय गिरे घर में दबे मिले।घर का पूरा सामान हटाकर निकाला,तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।यह स्थिति लगातार बारिश से मिट्टी गीली होने के कारण हो गई। वही मौके पर पहुंचे पंचायत के मुखिया महादेव सिंह ने पीड़ित परिवार को आपदा राहत से मुआवजा दिलाने के लिए प्रयासरत रहने की बात कही।

भारत जोड़ो यात्रा रचने जा रही है इतिहास : मुन्नम संजय

यात्रा को सुचारू ढंग से संचालन को लेकर कांग्रेस पार्टी की बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। भारत जोड़ो यात्रा को जिले के हर प्रखंडों में सुचारू ढंग से चलाने को लेकर देवघर जिला कांग्रेस कमिटी की एक विशेष बैठक कांग्रेस कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष मुन्नम संजय ने कहा कि पार्टी निर्देश पर चलाए गए गौरव यात्रा देवघर जिला में ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। इसके लिए जिला के सभी कांग्रेस जन बधाई के पात्र हैं।आज देश में राहुल गांधी जी के अगुवाई में भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3570 किमी की लम्बी पदयात्रा शुरू कर दी गई है, जो यात्रा इतिहास रचने जा रही है और आने वाले दिन में देश की सत्ता परिवर्तन का संकेत दे रही है।दिन व दिन यह यात्रा काफी चर्चित व लोकप्रिय होते जा रही है।भारी संख्या में सभी जाति धर्म के लोग बढ़चढकर इस यात्रा में शामिल हो रहे हैं। यह यात्रा हर जिले में भी चलाया जाना है। इसके लिए देवघर जिला में बैठक के माध्यम से रणनिती बनाई गई। देवघर में 20 सितंबर को यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा,जो शहीदाश्रम से शुरू हो कर डा.भीम राव अंबेडकर प्रतिमा तक चलाई जाएगी। साथ ही 23 सितंबर से सभी नगर तथा प्रखंडों में यात्रा प्रारंभ की जाएगी । इसकी तैयारी को लेकर सभी नगर व प्रखंडों की बैठक कर रुट चार्ट बना ली जाएगी तथा सभी पंचायत एवं वार्ड में प्रभारी नियुक्त भी कर दिए जाऐंगें। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी नगर तथा प्रखंडों में प्रभारी नियुक्त किए गए। जिसमें देवघर प्रखंड के राजेंद्र दास,देवघर नगर गणेश दास, मोहनपुर प्रखंड के नागेश्वर सिंह, सारवां दिनेश कुमार मंडल, सोनारायठाढ़ी मणिकांत यादव,सारठ भवेश भूषण,पालोजोरी सुभाष मंडल,करों के अवधेश प्रजापति, मार्गोमुंडा फैयाज केशर, मधुपुर प्रखंड मुजीब खान, मधुपुर नगर के प्रो.उदय प्रकाश,देवीपुर कुमार विनायक हैं। आज की बैठक में जिला बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष तथा सदस्यों एवं प्रखंड अध्यक्षों तथा सदस्यों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। इस बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश, जियाउल हसन, मिडिया प्रभारी दिनेश कुमार मंडल, नगर अध्यक्ष रवि केसरी, प्रखंड अध्यक्ष उपेन्द्र प्रसाद राय, संजय मिश्रा,प्रदीप नटराज, जयशंकर शरण,नजाबुल अंसारी,राजीव रंजन उर्फ गुलाब, संजीव चौधरी, सुभाष मंडल,नरेश यादव,महादेव दास,राजा शाहिल, मो.नसीम,सयुस अंसारी,बासुकी पंडित,अनिल केशरी,गोविन्द पांडेय, रमेश कुमार,गौरव सिंह, विकास दास आदि मौजूद थे।

संपादकीय

अलविदा महारानी

70 साल, 15 प्रधानमंत्री मगर एक ही रहीं महारानी यानि एलिजाबेथ एलेक्जेंड्रा मैरी या कहें महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली शासक रहीं। गुरुवार 8 सितम्बर को 96 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। 21 अप्रैल 1926 को लंदन के मेफेयर में किंग जार्ज (छह) और महारानी एलिजाबेथ के घर जन्मीं और वो इनकी पहली संतान थीं और ब्रिटिश गद्दी को संभालने वाली छठी महिला थीं। उन्हें यह राजगद्दी 2 जून 1953 में राजतिलक के दौरान महारानी एलिजाबेथ (द्वितीय) को सात स्वतंत्र देशों की महारानी भी घोषित किया गया और वो सात देश थे यूके, कनाडा, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, पाकिस्तान और सिलोन (जिसका नाम बाद में बदलकर श्रीलंका कर दिया गया)। अपनी सत्ता के चरम पर वह 1983 से 1987 के बीच 18 देशों की महारानी रहीं। किसी भी बच्चे के लिए मां की मृत्यु बहुत दुखी और तोड़ देने वाली होती है परन्तु राजशाही घरानों में अक्सर अपने दर्द को अंदर ही दबाने की मजबूरी भी होती है। महारानी की मृत्यु से पूरा इंग्लैंड शोक में डूबा है। अपनी मां की मृत्यु के फौरन बाद 73 वषाय चाल्स गुरुवार को स्कोटिश हाईलैंड रिट्रीट में सम्राट बन गए और अब प्रिंस चाल्स देश को संबोधित भी करेंगे। भारतीयों के मन में फिरंगियों के प्रति कटुता आ ही जाती है। 1952 में एलिजाबेथ द्वितीय जब ब्रिटेन की महारानी बनी थीं तब भारत को आजाद हुए सिर्फ 5 साल ही हुए थे और ब्रिटिश शासकों के अत्याचारों को भूल नहीं पाए थे लेकिन जब भी वो भारत आईं तो उनको भारतीयों द्वारा काफी स्नेह मिला। अपने 70 साल के शासनकाल में वो तीन बार भारत आईं। पहली बार 1961 में राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के निमंत्रण पर उनके साथ उनके पति प्रिंस फिलिप भी थे। दोनों ने मुंबई, चेन्नई, कोलकाता के साथ आगरा में ताज महल भी देखा। उन्होंने अपने स्वागत पर खुशी भी जताई और कहा—'भारतीय लोगों का उत्साह और अतिथि सत्कार और भारत की समृद्धि और विविधता हमेशा हमारे लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहेंगे।' जब पहली बार महारानी भारत आईं तब पंडित जवाहर लाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री थे और गणतंत्र दिवस समारोह पर बतौर मुख्य अतिथि उन्हें बुलाया गया था और उन्होंने 'राजपथ' पर गणतंत्र दिवस की परेड देखी जिसका किन्जवे से नाम बदलकर 'राजपथ' कर दिया गया था। रामलीला मैदान में भी महारानी ने हजारों लोगों को संबोधित किया था। दूसरी बार 1983 में महारानी एलिजाबेथ-द्वितीय भारत तब आई जब वह कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट मीटिंग (सीएचओजीएम) में हिस्सा लेने आईं और मदर टेरेसा को 'आर्डर ऑफ द मेरिट' प्रदान किया था। आखिरी और तीसरी बार वह तब आई जब भारत अपनी आजादी की 50वीं सालगिरह का समारोह मना रहा था।

महारानी की मृत्यु से पूरा इंग्लैंड शोक में डूबा है। अपनी मां की मृत्यु के फौरन बाद 73 वषाय चाल्स गुरुवार को स्कोटिश हाईलैंड रिट्रीट में सम्राट बन गए और अब प्रिंस चाल्स देश को संबोधित भी करेंगे। भारतीयों के मन में फिरंगियों के प्रति कटुता आ ही जाती है।

विचार

ज्ञान को रेखांकित किए जाने के कारण महज कागजी काम से जुड़े डिग्रीधारी को ही ज्ञान का अधिकारी मान लिया

बिना उपाधि के बनेंगे प्राध्यापक

प्रमोद भार्गव

अब उच्च शिक्षण संस्थानों में एक नई श्रेणी 'शक्षिक संकाय' के अंतर्गत प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों के रूप में ऐसे प्राध्यापक नियुक्त किए जाएंगे, जिनके पास प्रोफेसर बनने की पात्रता तो नहीं होगी, लेकिन वे संबंधित विषय के क्षेत्र में औपचारिक पात्रता, अनुभव और प्रकाशन संबंधी अर्हताएं रखते होंगे। उनके पास विशेषज्ञता सिद्ध करने के लिए 15 वर्श का अनुभव आवश्यक होगा। योजना के प्रारूप के मुताबिक इन विशेषज्ञों को अनुबंध के आधार पर विज्ञान, अभियांत्रिकी मीडिया, साहित्य, उद्यमिता, सामाजिक विज्ञान, ललित कला, लोकसेवा और शसस्त्र बल आदि क्षेत्रों में नियुक्ति दी जाएगी। यूजीसी की 560वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया है ।इसे सितंबर माह में 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' (पेषेवर प्राध्यापक) रूप में अधिसूचित किया जाएगा। पीएचडी जैसी पात्रता भी अनिवार्य नहीं रह जाएगी ।शिक्षिण संस्थानों में स्वीकृत कुल पदों में से दस प्रतिशत पदों की नियुक्ति इस योजना के अंतर्गत की जाएगी। फिलहाल देशभर में पत्रकारिता के विवि में पेषेवर पत्रकार इसी आधार पर न केवल अध्यापन का कार्य कर रहे हैं, बल्कि कुलपति भी बने हुए हैं।

विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (यूसीजी) ने एक क्रांतिकारी फैसला लिया है। अब उच्च शिक्षण संस्थानों में एक नई श्रेणी 'शिक्षक संकाय' के अंतर्गत प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों के रूप में ऐसे प्राध्यापक नियुक्त किए जाएंगे, जिनके पास प्रोफेसर बनने की पात्रता तो नहीं होगी, लेकिन वे संबंधित विषय के क्षेत्र में औपचारिक पात्रता, अनुभव और प्रकाशन संबंधी अर्हताएं रखते होंगे। उनके पास विशेषज्ञता सिद्ध करने के लिए 15 वर्श का अनुभव आवश्यक होगा। योजना के प्रारूप के मुताबिक इन विशेषज्ञों को अनुबंध के आधार पर विज्ञान, अभियांत्रिकी मीडिया, साहित्य, उद्यमिता, सामाजिक विज्ञान, ललित कला, लोकसेवा और सशस्त्र बल आदि क्षेत्रों में नियुक्ति दी जाएगी। यूजीसी की 560वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया है। इसे सितंबर माह में 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' (पेषेवर प्राध्यापक) रूप में अधिसूचित किया जाएगा। पीएचडी जैसी पात्रता भी अनिवार्य नहीं रह जाएगी। शिक्षण संस्थानों में स्वीकृत कुल पदों में से दस प्रतिशत पदों की नियुक्ति इस योजना के अंतर्गत की जाएगी। फिलहाल देशभर में पत्रकारिता के विवि में पेषेवर पत्रकार इसी आधार पर न केवल अध्यापन का कार्य कर रहे हैं, बल्कि कुलपति भी बने हुए हैं। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत ये उपाय किए जा रहे हैं। तर्क अकसर अंहकार को जन्म देता है, जो अपरिपक्व ज्ञान पर आधारित होता है। हमारे देश में प्रमाण-पत्र और उपाधि ;डिग्रीद्ध आधारित शिक्षा यही कर रही है। भारत में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन शालेय शिक्षा व कुशल-अकुशल की परिभाशाओं से ज्ञान को रेखांकित किए जाने के कारण महज कागजी काम से जुड़े डिग्रीधारी को ही ज्ञान का अधिकारी मान लिया है। जबकि परंपरा अथवा काम के प्रति श्रमसाध्य समर्पण के बूते कौशल-दक्षता प्राप्त कर लेने वाले फिल्म, टीवी एवं लोक कलाकार, शिल्पकार, स्वतंत्र पत्रकार, मारवाड़ी व्यापारी और किसान को डिग्रीधारी शिक्षित की तुलना में अपेक्षाकृत अज्ञानी माना जाता है। डिग्री बनाम योग्यता जैसे विवादास्पद मुद्दे से जुड़ा ऐसा ही मामला सफल टीवी कलाकार व राजनेत्री स्मृति ईरानी के संदर्भ में भी आया था। इस मामले ने तूल इसलिए पकड़ा, क्योंकि बारहवीं कक्षा पास होने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें शिक्षा की सभी संभावनाओं से संबद्ध मानव संसाधन विकास मंत्रालय की मंत्री बना दिया था। उच्च शिक्षा से लेकर सभी भारतीय तकनीकी संस्थान इसी मंत्रालय के अधीन हैं। इसलिए सवाल उठाया गया था कि जो व्यक्ति खुद इंटर तक पढ़ा है, वह शिक्षा के उच्चतम मानकों को कैसे समझेगा ? इस सोच से डिग्री आधारित अभिजात्यवादी मानसिकता झलकती है। आधुनिक व अंग्रेजी शिक्षा की इस देन ने हमारे मस्तिश्क के दायरे को संकीर्ण किया है। इससे उबरे बिना कल्पनाषील प्रतिभाओं को उनकी मेधा के अनुरुप स्थान मिलना मुष्किल हो गया है। कुछ दिन पहले खबर आई थी कि मंगलुरू के किसान गणपति भट्ट ने नारियल और सुपारी के पेड़ों पर चढ़ने वाली बाइक बनाने में सफलता प्राप्त की है। इसी तरह द्वारिका प्रसाद चैरसिया नाम के एक युवक ने पानी पर चलने के लिए जूते बनाए हैं। उत्तरप्रदेश के इस युवक की इस खोज के पीछे की कहानी थी कि उसने सुन रखा था साधु संत साधना के बाद पानी पर चल सकते हैं। द्वारिका ने तप का आडंबर तो नहीं किया, लेकिन अपनी कल्पनाओं को पंख देकर एक ऐसा जूता बनाने की जुगाड़ में जुट गया, जो पानी पर चल सके। इस तकनीक को इजाद करने में वह सफल भी हुआ और पानी पर चलने वाले एक जोड़ी जूतों का अविश्कार कर लिया। इन दोनों आविश्कारों को 'नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन' ने मान्यता भी दी है। इस प्रतिश्ठान के प्रोफेसर अनिल गुप्ता और उनकी टीम देश में मौजूद ऐसे लोगों को खोज रहे हैं, जो कम मूल्य के ज्यादा उपयोगी उपकरण बनाने में दक्ष हैं। इस अनूठी खोज यात्रा के जरिए यह दल देश भर में 25 हजार ऐसे आविश्कार खोज चुके हैं, जो गरीब लोगों की मदद के लिए बनाए गए हैं। इसके पहले विश्व प्रसिद्ध फोब्र्स पत्रिका भी ऐसे 7 भारतीयों की सूची जारी कर चुकी है, जिन्होंने ग्रामीण पृश्ठभूमि और मामूली पढ़े-लिखे होने के बावजूद ऐसी नवाचारी तकनीकें इजाद की हैं, जो समूचे देश में लोगों के जीवन में आर्थिक स्तर पर क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं। लेकिन डिग्री को ज्ञान का आधार मानने वाली हमारी सरकार नौकरशाही की ऐसी अब तक जकड़बंदी में रही है कि वह इन अनूठी खोजों को अविश्कार ही नहीं मानती, क्योंकि इन लोगों ने अकादमिक शिक्षा प्राप्त नही की है। डिग्री ही योग्यता की गारंटी हो, यह ज्ञान को मापने का पैमाना ही गलत है। देश में ऐसे बहुत से पीएचडी और डिलीट हैं, जो प्राथमिक-माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ा रहे हैं। सरकारी नौकरी में असफल रहे, ऐसे भी बहुत से लोग हैं, जिन्होंने कोचिंग संस्थाएं खोलकर लाखों चिकित्सक व अभियता बना दिए। दूसरी तरफ हमारे यहां उच्च तकनीकी शिक्षा के ऐसे भी संस्थान हैं, जो बतौर लाखों रुपए कैपीटेशन फीस, मसलन अनियिमित प्रवेश षुल्क लेकर हर साल हजारों डॉक्टर-इंजीनियर बनाने में लगे हैं। इनकी योग्यता को किस पैमाने से नापा जाए ? मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर व्यावसायिक परीक्षा मंडल ;व्यापमद्ध का घोटाला सामने आया था, इसके माध्यम से हजारों लोग रिष्वत के बूते डॉक्टर, इंजीनियर और पुलिस निरीक्षक बन गए थे। इस घोटाले में भारतीय प्रशासनिक व पुलिस सेवा के उच्च अधिकारी व उनकी संतानों पर भी मामले दर्ज हुए हैं। इनमें कई तो ऐसे हैं जो डिग्रियां लेकर सरकारी नौकरी में भी आ गए थे। रिष्वत के बूते हासिल इस योग्यता को किस कसौटी पर परखा जाए ? योग्यता को डिग्री से जोड़कर परखने की यह अभिजात्यवादी सोच ऐसे लोगों की है, जो अपनी संतानों के लिए अनियमित प्रवेश के सभी स्त्रोत खुले रखना चाहते हैं। भारत में सोच की यह मानसिकता कोई नई नहीं है, वर्ण और जाति के आधार पर सनातन चली आ रही है। पुरातन युग में जब भी अशिक्षित जाति व वर्ण विशेष व्यक्ति की योग्यता सामने आई, तब-तब उसे या तो षंबूक की तरह मार दिया गया या एकलव्य की तरह अंगूठा दक्षिणा में ले लिया गया है। महाभारत के सूतपुत्र कर्ण दान में अग्रणी होने के साथ धनुर्विद्या में ही दक्ष थे, लेकिन द्रोपदी-स्वयंवर में यही कर्ण जब मछली की आंख भेदने को तत्पर हुए तो कृशण तुरंत ताड़ गए कि कर्ण लक्ष्य साधने में सफल होंगे और कृशण के संकेत पर द्रोपदी ने कर्ण से सूतपुत्र होने के कारण विवाह नहीं करने की इच्छा जताकर लक्ष्यभेद से रोक दिया। तय है, सत्ता-तंत्र से जुड़े सक्षमों के लिए वास्तविक योग्यता को नकारने के उपाय हमेशा होते रहे हैं। परंतु नई शिक्षा नीति में यह प्रावधान मोदी ने मुमकिन बना दिया है। अकसर उच्च शिक्षा संस्थानों के विदेषी मानकों के आधार पर हमारी उच्च शिक्षा गुणवत्तापूर्ण नहीं है, यह सवाल उठते रहे हैं। क्योंकि विश्व के दो सौ विश्व विद्यालयों की रेटिंग में अकसर हमारा कोई भी विवि शामिल नहीं हो पाता है। क्या यहां यह सवाल खड़ा होता है कि इन 75 सालों में अनेक उच्च शिक्षित नेता केंद्रीय शिक्षा विभाग के मंत्री रहे और उच्च शिक्षित आईएएस सचिवालय संभालते रहे, तब क्यों शिक्षा गुणवत्तापूर्ण नहीं हो पाई ? भारत में आर्थिक उदारवाद लागू होने के बाद तो शिक्षा का ऐसा नीतिगत निजीकरण किया गया।

कुछ अलग

सियासी उतार-चढ़ाव से लेकर सामाजिक ताने-बाने के इतिहास तक सब मिलेगा

मैंने अगस्त में अपने इस स्तंभ में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के इतिहास का संक्षिप्त विश्लेषण किया था। इस आलेख में मैं ऐसी कथेतर किताबों की सूची दे रहा हूं, जिसे मैंने हमारे गणतंत्र के उतार-चढ़ाव भरे सफर को समझने में मददगार पाया है। यों तो मैं समरूपता और पाठकों की वृहत रुचियों को ध्यान में रखकर पचहत्तर किताबों की सूची देना चाहता था, लेकिन इस स्तंभ की शब्द सीमा में यह व्यावहारिक नहीं होता। लिहाजा मैंने पचास किताबें चुनी हैं। मैंने खुद को 1947 के बाद के कालखंड तक सीमित रखा है; यह 'भारतीय इतिहास' के बजाय 'स्वतंत्र भारत' की अध्ययन सूची है। प्रत्येक पुस्तक के प्रथम प्रकाशन की तिथि कोष्ठक में दी गई है। मैं इसकी शुरुआत ग्रैनविले ऑस्टिन की द इंडियन कांस्टिट्यूशनः कॉर्नरस्टोन ऑफ अ रिपब्लिक (1966) से कर रहा हूं, जो कि संविधान निर्माण के समय हुई बहसों पर ऐतिहासिक काम है। इसके साथ नीरजा गोपाल जयाल की सिटीजनशिप ऐंड इट्स डिस्कंटेंट्सः एन इंडियन हिस्ट्री (2013) पढ़नी चाहिए, जिसमें लंबा कालखंड और कहीं अधिक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण है। पूर्व रियासतों का एकीकरण और भाषायी राज्यों का निर्माण स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में हमारे पहले दशक के सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम थे। इसमें पहले वाले के लिए वीपी मेनन की इंटीग्रेशन ऑफ इंडियन स्टेट्स (1956) सर्वश्रेष्ठ किताब बनी हुई है (लेखक ने सरदार पटेल के साथ काम किया था और उस प्रक्रिया के एकम अहम किरदार थे।) जहां तक भाषा का प्रश्न है, रॉबर्ट डी। किंग की नेहरू ऐंड द लैंग्वेज पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया (1997) देखनी चाहिए। अब मैं बड़ी ऐतिहासिक हस्तियों की जीवनियों पर आता हूं। इस विधा में महत्वपूर्ण कामों में, वाल्टर क्रोकर की नेहरूः ए कंटेम्परेरीज इस्टीमेट (1966), राजमोहन गांधी, पटेलः ए लाइफ (1990), कैथरीन फ्रैंक, इंदिराः द लाइफ ऑफ इंदिरा नेहरू गांधी (2001), सीपी श्रीवास्तव, लाल बहादुर शास्त्री (1995), धनंजय कीर, आंबेडकर (1954; संशोधित संस्करण 1990), एलन ऐंड वेंटी स्क्राफ, जेपीः हिज बॉयोग्राफी (1975; संशोधित 1998) और ऐलन कैरोल डुबोस ऐंड विनय लाल, ए पैसोनेट लाइफः राइटिंग्स बाई ऐंड ऑन कमलादेवी चट्टोपाध्याय (1997) शामिल हैं। महात्मा गांधी के स्थायी प्रभाव में दिलचस्पी रखने वालों को रजनी बख्शी की बापू कुटीः जर्नीज, रीडिस्कवरी ऑफ गांधी (1998) पढ़नी चाहिए। आंबेडकर और नेहरू स्वतंत्र भारत के अग्रणी नेता होने के साथ ही महत्वपूर्ण विचारक भी थे। इसलिए मैं वेलेरियन रोड्रिग्स द्वारा संपादित द असेन्शियल राइटिंग्स ऑफ बी। आर। आंबेडकर (2002) के साथ ही पुरुषोत्तम अग्रवाल द्वारा संपादित हू इज भारत माता ? हिस्ट्री, कल्चर ऐंड आइडिया ऑफ इंडियाः राइटिंग्स बाई ऐंड ऑन जवाहरलाल नेहरू (2019) को पढ़ने की सलाह दे रहा हूं। हाल के दिनों में, आरएसएस के विचारक एमएस गोलवलकर का प्रभाव शायद आंबेडकर और नेहरू के प्रभाव के बराबर या उससे अधिक हो गया है, इसलिए मैंने उनके संकलन, ए बंच ऑफ थॉट्स (1966) को शामिल किया है। स्वतंत्र भारत में राजनीतिक प्रक्रिया का शानदार विहंगावलोकन ऑक्सफोर्ड कंपेनियन टू इंडियन पॉलिटिक्स में मिलता है, जिसका संपादन नीरजा गोपाल जयाल और प्रताप भानु मेहता (2010) ने किया है। भारत ने वयस्क मताधिकार क्यों और कब अपनाया, यह जानने के लिए ओनिट शैनी की हाउ इंडिया बिकेम डेमोक्रेटिक (2017) देखें। चुनावी राजनीति के अरुचिकर पक्ष को जानने के लिए मिलन वैष्णव की, व्हेन क्राइम पेजः मनी ऐंड मसल इन इंडियन पॉलिटिक्स (2017) देखें। आरएसएस पर सबसे अच्छी किताब देशराज गोयल की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (1979) कायम है। स्वतंत्रता के बाद से आर्थिक नीति के इतिहास को फ्रैंसिन फ्रैंकेल ने अपनी किताब इंडियाज पॉलिटिकल इकोनॉमी 1947-2004 (2005) में चित्रित किया है। वर्तमान की आर्थिक चुनौतियों के लिए देखें नौशाद फोर्ब्स की द स्ट्रगल ऐंड द प्रॉमिसः रेस्टॉरिंग इंडियाज (2022)। भारतीय प्रतिरक्षा नीति और विदेश नीति का शानदार विहंगावलोकन क्रमशः श्रीनाथ राघवन की वार ऐंड पीस इन मॉडर्न इंडिया (2009) और शिवशंकर मेनन की, चॉइसः इनसाइड द मेकिंग ऑफ इंडियाज फॉरेन पॉलिसी (2016) में मिलता है। हमारे महान एशियाई पड़ोसी से हमारे जटिल संबंधों के लिए कांति बाजपेयी की इंडिया वर्सेज चाइनाः व्हाई, दे आर नॉट फ्रैंड्स (2021) देखें। एक आधुनिक राज्य का आधार संसद, सर्वोच्च न्यायालय और सिविल सेवा जैसे संस्थान हैं। इस विषय पर उपयोगी किताब रीथिंकिंग पब्लिक इंस्टीट्यूशंस इन इंडिया (2019) है, जिसके संपादक देवेश कपूर, प्रताप भानु मेहता और मिलन वैष्णव हैं।

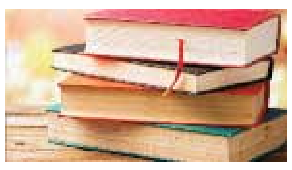

यह आलेख स्वतंत्रता मिलने के बाद लिखी गई ऐसी पचास कथेतर किताबों पर केंद्रित है, जिनसे हमारे गणतंत्र के उतार-चढ़ाव भरे सफर को समझने में मदद मिलती है।

ब्लॉग

व्यापार घाटे पर काबू जरूरी

भारत का बढ़ता व्यापार घाटा अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय

कोरोना महामारी अपने में एक अभूतपूर्व घटना थी जिसने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया। यह प्रभाव इतना गहरा था कि इससे उबरना कोई दो-चार महीनों की बात नहीं थी। इसी बीच रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हो गया और नई मुश्किलें खड़ी हो गर्इं। देखा जाए तो दुनिया के देशों के सामने आर्थिक समीकरण इतने जटिल कभी नहीं थे। साल 2008 में जो वैश्विक आर्थिक मंदी आई थी, उसके लिए कारणों और प्रभावों के बीच संबंध को समझना आसान था ।अभी ऐसा लगता है कि बहुत सारी चीजें एक साथ हो रही हैं या हो गई हैं और कुछ मामलों में इनके लिए कारण परस्पर संबंधित हो सकते हैं। भारत का बढ़ता व्यापार घाटा अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

संचित व्यापार घाटा हमारी देनदारियों में वृद्धि करता जाएगा, देश के बजट का एक बड़ा हिस्सा इन देनदारियों को चुकाने पर खर्च करना होगा और इसका असर यह पड़ेगा कि विकास कार्यों में निवेश के लिए पैसा कम पड़ने लगेगा। अगर हम व्यापार घाटे को काबू कर लेते हैं तो इससे अर्थव्यवस्था में मजबूती आएगी, हम अपने सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि कर सकेंगे और रोजगार के अतिरिक्त अवसर भी पैदा कर पाएंगे। अर्थव्यवस्था को लेकर इन दिनों मिलीझुली खबरें आ रही हैं। कभी विकास दर में वृद्धि को लेकर खुश हो लिया जाता है, तो कभी रुपए का और गिर जाना निराशाजनक तस्वीर पेश करता है। यह सही है कि कोरोना महामारी अपने में एक अभूतपूर्व घटना थी जिसने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया। यह प्रभाव इतना गहरा था कि इससे उबरना कोई दो-चार महीनों की बात नहीं थी। इसी बीच रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हो गया और नई मुश्किलें खड़ी हो गर्इं। देखा जाए तो दुनिया के देशों के सामने आर्थिक समीकरण इतने जटिल कभी नहीं थे। साल 2008 में जो वैश्विक आर्थिक मंदी आई थी, उसके लिए कारणों और प्रभावों के बीच संबंध को समझना आसान था। अभी ऐसा लगता है कि बहुत सारी चीजें एक साथ हो रही हैं या हो गई हैं और कुछ मामलों में इनके लिए कारण परस्पर संबंधित हो सकते हैं। भारत का बढ़ता व्यापार घाटा अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। लगभग महीने भर पहले भारत का व्यापार घाटा अब तक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच कर 31 ।02 अरब डालर हो गया। जबकि ठीक एक साल पहले यानी जुलाई 2021 में यह 10 ।63 अरब डालर का था। मात्र साल भर में व्यापार घाटे में तीन गुना वृद्धि निश्चित रूप से चिंता की बात है। आसान भाषा में कहें तो व्यापार घाटा निर्यात और आयात के मूल्य के बीच अंतर होता है। जब कोई देश निर्यात के मुकाबले अपने आयात पर ज्यादा पैसा खर्च करता है तो व्यापार घाटे की स्थिति पैदा होती है। गिने-चुने देश ही होंगे जिनकी सारी जरूरतें देश से ही पूरी हो जाती हों और जिन्हें आयात करने की जरूरत ही न पड़ती हो। यह भी शायद ही देखने को मिलता है कि एक देश का आयात और निर्यात बराबर और पूरी तरह संतुलन में हो। आयात और निर्यात विश्व व्यापार के प्रमुख अंग हैं। चूंकि सभी देशों की आबादी बराबर नहीं है, उनका आकार-प्रकार एक जैसा नहीं है, इसलिए उनके पास संसाधनों में एकरूपता भी नहीं है और उनकी जरूरतें गुणात्मक तथा मात्रात्मक रूप से एक जैसी नहीं हैं। इसलिए उन्हें दूसरे देशों के साथ आदान-प्रदान करने की जरूरत होती है। कुछ देश निर्यात ज्यादा करते हैं तो कुछ का आयात ज्यादा रहता है। एक देश के निर्यात और आयात में अंतर एक सीमा तक तो स्वीकार्य होता है, पर भारत के संदर्भ में देखें तो यह अंतर बढ़ता ही जा रहा है। व्यापार घाटे के पीछे अनेक कारण हो सकते हैं। एक सीधा कारण यह है कि देश अपनी जरूरत की वस्तुओं और सेवाओं को खुद देश में उत्पादित नहीं कर पाता और बाहर से मंगाने या लेने के लिए बाध्य होता है। इसके लिए उसे भारी रकम खर्च करनी पड़ सकती है। यदि देश की मुद्रा कमजोर हो तो यह आयात और महंगा हो जाता है। व्यापार घाटे का ऊंचा होना देश की मुद्रा पर भी दबाव डालता है। भारत में इस समय ये दोनों ही स्थितियां देखने को मिल रही हैं। व्यापार घाटा रोजगार की स्थिति से भी जुड़ा है। यदि कोई देश इलेक्ट्रानिक वस्तुओं का बड़ी संख्या में निर्यात करता है तो इन वस्तुओं के देश में ही निर्माण हेतु रोजगार के जो अवसर उत्पन्न हो सकते थे, उनसे वंचित हो जाता है। कोरोना महामारी आने से पहले के वर्षों में भारत का व्यापार घाटा निरंतर कम हो रहा था। इसका मुख्य कारण बढ़ता निर्यात था। हालांकि पिछले 31 मार्च को समाप्त हुए वित्त वर्ष में भारत का निर्यात बढ़ कर रिकार्ड चार सौ अठारह अरब डालर हो गया, पर आज हमारा व्यापार घाटा भी रिकार्ड स्तर पर है। इसका एक सीधा अर्थ यह है कि हमारा आयात बिल अभी भी भारी-भरकम है। भारत जिन वस्तुओं का आयात करता है, उनमें कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद सबसे बड़ा हिस्सा रखते हैं और यह हमारे कुल आयात बिल का करीब एक तिहाई है। पिछले एक साल में हमारा यह आयात सत्तर फीसद से अधिक बढ़ चुका है। इसका कारण व्यापारिक गतिविधियों का पटरी पर लौटना और परिवहन सुविधाओं का बहाल होना हो सकता है। इसी तरह कोयले के आयात पर भी हमें भारी रकम खर्च करनी पड़ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोयले की कीमतों में भी उछाल आ गया था। मानसून के बाद देश में कोयले की मांग में कुछ कमी जरूर आई है, पर पिछले साल की तुलना में बाहर से कोयला खरीदने पर अब ढाई-तीन गुना ज्यादा रकम खर्च हो रही है। हालांकि बिजली उत्पादकों से कहा गया है कि बिजली पैदा करने के लिए वे केवल आयातित कोयले पर निर्भर नहीं रहें। भारत सोने का भी आयात करता है, लेकिन इस आयात पर शुल्क में वृद्धि के बाद देश में बाहर से आने वाले सोने की मात्रा कम हुई है। भारत से रत्नों और आभूषणों, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायनों, सिलेसिलाए कपड़ों का निर्यात वर्षों से होता रहा है। लेकिन वैश्विक मांग में कमी के कारण इनके निर्यात में गिरावट आई है। इस गिरावट का भी बढ़ते व्यापार घाटे में योगदान है। हालांकि देश की जरूरत को देखते हुए सरकार ने गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी, पर इससे विदेशी मुद्रा की आवक में भी कमी आई है। दूसरी ओर मोबाइल फोन और कंप्यूटर-लैपटाप जैसी इलेक्ट्रानिक वस्तुओं को अभी भी बाहर से मंगाना पड़ रहा है और इनकी मांग में भी उछाल आया है।

देश दुनिया से

चीन पर दोहरा मापदंड

यूं तो संसार में ढेरों आश्चर्य हैं। इसी में से एक चीन से संबंधित है, जहां के शिनजियांग प्रांत में सवा करोड़ उइगर मुसलमानों के खिलाफ मजहब के नाम पर राजकीय दमन चरम पर है और इस्लाम के ठेकेदार देश इस पर न केवल चुप हैं, अपितु चीन के सहयोगी भी बने हुए हैं। इसमें चीन का सबसे विश्वासी मित्र या यूं कहे कि दुमछल्ला देश— पाकिस्तान भी शामिल है, जिसका अस्तित्व ही पिछले 75 वर्षों से इस्लामी अवधारणा पर टिका हुआ है। यह वाकई किसी चमत्कार से कम नहीं कि जिस प्रकार भारत में नूपुर शर्मा के कुछ सेकंड के वीडियो से वैश्विक मुस्लिम समाज की भावना एकाएक आहत हो गई थी, वे संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की हालिया चीन संबंधित मुस्लिम विरोधी रिपोर्ट पर न तो आंदोलित हैं और न ही चीन के खिलाफ भारतीय उपमहाद्वीप की सड़कों पर 'सर तन से जुदा' जैसे विषाक्त नारों का उद्घोष हो रहा है। अपने चार वर्ष के कार्यकाल खत्म करने के कुछ मिनट पहले संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की आयुक्त मिशेल बैचलेट ने बहुप्रतिक्षित रिपोर्ट 31 अगस्त को जारी कर दिया। आखिर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में ऐसा क्या है, जिस पर चीन बौखला रहा है? रिपोर्ट में चीन पर 'मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन' का आरोप लगाया गया है। इसमें विश्वसनीय साक्ष्य मिलने की बात की गई है, जिससे सिद्ध होता है कि शिनजियांग में 'मानवता के खिलाफ अपराध' हो रहा है, जिसमें यौन शोषण और नसबंदी जैसी बातें भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि चीन ने शिनजियांग में रहने वाले उइगर मुस्लिम के खिलाफ हर स्तर पर मानवाधिकारों का उल्लंघन करते हुए क्रूरता की हदों को पार कर दिया है। मुस्लिमों को बंदीगृह/नजरबंदी केंद्रों में तरह-तरह की प्रताड़नाएं दी जाती हैं। जबरन नसबंदी के कारण वर्ष 2017 से 2019 के बीच जन्म दर में 48 ।7 फीसदी की गिरावट आई है। चीन किस प्रकार विशुद्ध इस्लाम-विरोधी कार्रवाइयों में लिप्त है, उसका आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि इस्लामी मान्यताओं और अभिव्यक्तियों पर प्रतिबंध के साथ शिनजियांग में आतंकवाद-अलगाववाद रोधी 'स्ट्राइक-हार्ड' अभियान के अंतर्गत मस्जिदों और कब्रिस्तानों तक को जमींदोज किया जा रहा है। चीन में कुल मस्जिदों की संख्या 35,000 है, जिसमें अकेले 20,000 शिनजियांग में स्थित हैं। इसी वर्ष 12-15 जुलाई को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, जिनके कार्यकाल में चीन में इस्लाम विरोधी गतिविधियां बढ़ी है— उन्होंने शिनजियांग का दौरा किया था। तब शी ने स्थानीय मुसलमानों को धमकाते हुए बता दिया था कि चीन में इस्लाम का स्वरूप कैसा होना चाहिए। चीनी राष्ट्रपति के अनुसार, 'चीन में इस्लाम को चीनी होना चाहिए' इस वक्तव्य का सत्व यह है कि यदि चीन में मुस्लिमों को रहना है, तो उन्हें चीनी परंपरा और मार्क्सवादी व्यवस्था के अधीन ही रहना होगा। वास्तव में, शिनजियांग में चीन का मुस्लिम विरोधी आचरण उसके अपने राजनीतिक-वैचारिक अधिष्ठान के अनुरूप ही है, क्योंकि वामपंथी विचारधारा के केंद्र में ही हिंसा, अनिश्वरवाद और मानवाधिकारों का दमन है। तिब्बत में बौद्ध भिक्षुओं का सांस्कृतिक संहार— इसका अन्य प्रमाण है। चीन की तुलना में भारत में सभी अल्पसंख्यकों (मुस्लिम सहित) को समान अधिकार, तो कई मामलों में बहुसंख्यकों से अधिक सुविधा प्राप्त है। फिर भी यहां मुस्लिम समाज में 'असुरक्षा की भावना' का राग अलापा जाता है। गत दिनों असम में राज्य सरकार ने उन मदरसों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें ढहा दिया और तीन दर्जन लोगों (मौलवी सहित) की गिरफ्तारियां की, जो नौनिहालों को जिहाद का पाठ पढ़ाने में लिप्त थे। वहीं उत्तर प्रदेश स्थित मदरसों में शिक्षा की बेहतर व्यवस्था करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस्लाम में सऊदी अरब का विशेष स्थान है। वहां बदलती दुनिया के बीच आधुनिक जीवन मूल्यों के साथ इस्लाम को अनुकूल बनाने और तालमेल बैठाने के लिए बीते पांच वर्षों से उदारवादी परिवर्तन किए जा रहे हैं।

नागरिक बोध

मानव तस्करी सभ्य समाज पर काला धब्बा

भारत महान देश है ।इस देश की महान संस्कृति पश्चिमी देश अनुसरण कर रहे है। मानव तस्करी विदेशी कुकर्म है ।यह भारत का शब्द नही है। लेकिन फिर भी भारत मे कुकृत्य ज्यादा हो रहे है। भारत मे हररोज दुष्कर्म,हत्या आत्महत्या जैसी घटना घटित होती है। उसी का एक भाग है जो हररोज अखबार की सुर्खियों में रहता है। जबरन मानव तस्करी भारत के लिए अभिशाप है। विशाल भारत देश मे पश्चिमी देशों की तरह हर कृत्य को अंजाम दिया जाता है। फिर भी महान संस्कृति के उपासक ऐसी घटनाओं को नजर अंदाज करते है। देश के हर राज्य में इस तरह की घटना होती है। मानव तस्करी वो बेनुमा दाग है जिसको कभी मिटाया नही जाता है। जिस परिवार से बच्चों को उठाया जाता है। उस परिवार पर क्या बीतती होगी? दुधमुंही बच्चियों की तस्करी इस देश पर काला कलंक है। चाइल्ड पोर्नोग्राफी और भीख मंगवाने के लिए विवश किया जाता है। अलबत्ता,जबरन श्रम और वैश्यावृति में धकेल दिया जाता है। मानव तस्कर रोधी इकाइयों में दर्ज मामलो में सबसे ज्यादा तेलंगाना में मानव तस्करी हुई है। उसके बाद महाराष्ट्र और तीसरे स्थान पर असम राज्य है। केरल आंध्रप्रदेश ओडिसा बिहार और उतरप्रदेश क्रमशः इसी श्रेणी में उत्तरोत्तर राज्य है। एएचटीयू में दर्ज आंकड़े के बाद जो केस दर्ज नही हुए है। उसमें अनेक मामले शामिल हो सकते है। पुलिसिया कार्रवाई में कही न कही खोट दर्शाती है। पुलिस विभाग को अलर्ट रहने की जरूरत है। 2021 में लापता व्यक्तियों में पुरुष की संख्या124 हजार 177 और महिलाओं की संख्या 265 हजार 481 थी। इसी कड़ी में 59 हजार 544 लडकिया लापता हुई है तो 17 हजार 977 लकड़े लापता हुए है। मानव तस्करी के 11 हजार आंकड़े 2018 से 2021 तक दर्ज हुए है। इनसे यह पता लगता है कि इन के परिवार वाले भी बेहद लाचार रहे है। भारत मे मान्यव तस्करी के केसों से चिंता होनी जाहिर है। लेकिन इस मुहिम को लेकर पुलिस प्रशासन को भी अलर्ट रहना होगा। भारत ने बढ़ती मानव तस्करी से समाज आहत है। मानव तस्करी के बाद बहुत ही मुश्किल से बच्चे फिर से मिल पाते है। इन बच्चो को पोनोग्राफी या वैश्यावृत्ति की तरफ धकेला जाता है। क्या उनके परिजन सुख से रह सकते है। हररोज कलेजे के टुकड़े की याद में जीवन गुजारने के लिए मजबूर हो जाते है।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

कैसी हो लाइफ स्टाइल छात्रों की

❦ प्रातः काल सूर्योदय से एक घंटा पहले उठकर नित्य कर्मों से निवृत्त होकर 15-20 मिनट व्यायाम या योगासनों का अभ्यास करने से सुस्ती व शिथिलता मिट जाती है और शरीर में चुस्ती-फुर्ती तथा तबीयत में ताजगी आ जाती है, जिससे पढ़ाई में मन लगता है और पाठ अच्छी तरह याद होता है।

❦ सूर्योदय से पहले नित्यकर्मों से निवृत्त होने का उद्देश्य यह है कि वातावरण में सूर्य की गरमी फैले इससे पहले ही शौच क्रिया द्वारा मल शरीर से बाहर हो जाए और शीतल जल से स्नान करने से रात को सोने के कारण शरीर में बढ़ी गरमी दूर हो जाए, ताकि मलाशय, अमाशय, पाकाशय, मूत्राशय, शुक्राशय आदि पर व्याप्त हो जाने वाली अतिरिक्त उष्णता कम हो जाए।

❦ शरीर में अतिरिक्त उष्णता का होना या बढ़ना शरीर और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। सूर्योदय के बाद तक भी जो सोए रहते हैं, उनके शरीर के सभी अंग-प्रत्यंग बढ़ी हुई गरमी से ग्रस्त तो होते ही हैं, ऊपर से वातावरण में व्याप्त सूर्य की गरमी उसमें और वृद्धि कर देती है, इससे कई व्याधियां उत्पन्न होती हैं।

❦ नित्यकर्म (मुख धोना (दन्त-मंजन करना), शौच जाना और स्नान करना) तथा व्यायाम से निवृत्त होकर पानी में भिगोए हुए चनों को खूब चबा-चबाकर खाना चाहिए। यह अत्यन्त पौष्टिक और बलवर्द्धक नाश्ता है।

❦ अपनी पढ़ाई करके स्कूल या कॉलेज का जो भी समय हो, उसके अनुसार सुबह-शाम के भोजन का समय निश्चित कर लें और निश्चित समय पर ही भोजन किया करें। भोजन करते समय मन को भोजन पर ही एकाग्र रखें, ताकि प्रत्येक कौर खूब अच्छी तरह से चबा-चबाकर निगल सकें।

❦ भोजन करते समय बातचीत करना इसीलिए वर्जित किया गया है, ताकि ध्यान भोजन पर और खाई जा रही तथा चबाई जा रही वस्तु पर ही केन्द्रित रहे। इस विधि से भोजन करने से पाचन ठीक होता है, अपच और कब्ज नहीं होती और गैसेज की शिकायत भी उत्पन्न नहीं होती। खाय-पिया अंग लगता है, जिससे शरीर पुष्ट, सुडौल और बलवान होता है।

❦ शाम को थोड़ा समय खेलकूद और मनोरंजन के लिए निश्चित रखें। टी.वी. ज्यादा न देखें, सिर्फ ज्ञानवर्द्धक कार्यक्रम ही देखें, ताकि नेत्र ज्योति खराब न हो और व्यर्थ समय नष्ट न हो। शाम का भोजन सोने से तीन घंटे पहले कर लिया करें, ताकि ठीक से हजम हो सके। सोते समय एक गिलास ठंडा किया हुआ दूध पी सकें तो अवश्य पिया करें। यदि आपका शरीर दुबला हो तो इसमें 1-2 चम्मच शहद घोलकर पिया करें। सोने से पहले कुल्ले (दन्त मंजन) करके मुंह साफ करना जरूरी है।

❦ शाम को 2-3 घंटे पढ़ाई करके 10 से 11 बजे के बीच सो जाया करें। सोते समय दिमाग से सोच-विचार हटाने के लिए अपनी सांस आने-जाने पर ध्यान लगाया करें। इससे नींद जल्दी और गहरी आती है। सोने से पहले हाथ, पैर, मुंह धो लिया करें। सोते समय यह संकल्प करें कि सुबह इतने बजे उठना है। इससे बिना अलार्म के भी ठीक उसी वक्त आपकी नींद खुल जाया करेगी, जितने बजे उठने का संकल्प करेंगे।

❦ यह कायक्रम मोटे तौर पर छात्र-छात्राओं के लिए विद्यार्थी के रूप में तो उपयोगी है ही, जो छात्र-छात्रा नहीं हैं, ऐसे युवक-युवती भी अपने-अपने दैनिक कार्य करते हुए इस कायक्रम पर अमल कर सकते हैं, क्योंकि इतना अमल करना सभी के लिए सांझे रूप से उपयोगी एवं स्वास्थ्यरक्षक सिद्ध होगा।

हरे प्याज-मटर की टिक्की

सामग्री :

100 ग्राम उबले व मसले हुए हरे मटर, 20 ग्राम कटी हुई हरी प्याज, 50 ग्राम उबले व मसले हुए आलू, 50 ग्राम कद्दूकस किया हुआ पनीर, 75 ग्राम ब्रैड का चूरा, 10 ग्राम कटी हुई हरी मिर्च, 10 ग्राम बारीक कटी हरी धनिया, 1 टीस्पून धनिया पाऊडर, 1 टीस्पून चाट मसाला, 75 ग्राम कार्नफ्लोर, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि :

एक बड़े बाऊल में सभी सामग्री मिलाकर टिक्की बना लें। पैन में तेल गर्म करके टिक्की को फ्राई कर लें। चटनी के साथ सर्व करें।

ये हैं... फर्राटेदार बाइकरनियाँ

अगर आप सोचते हैं कि हवा में उड़ने का मतलब हवाई जहाज में बैठकर समझा जा सकता है तो शायद उर्वशी पटोले और आपकी सोच कभी भी मेल न खा पाए, क्योंकि उर्वशी तो बाइक पर सवार होकर उड़ान भरती हैं। जी हाँ, तेईस साल की यह मैनेजमेंट ट्रेनी बाइक की दीवानी हैं और बाकायदा कई रेस तथा एक्सपीडीशन्स में भाग ले चुकी हैं। उन्हें मलाल बस इस बात का था कि अब तक बाइक की हर रेस या सफर में उसे लड़कों का ही साथ मिल पाता था, लेकिन अब वे खुश हैं क्योंकि उसने अपने जैसी और भी दीवानी लड़कियों का साथ खोज निकाला है।

'बाइकरनी'... यही नाम दिया है उर्वशी ने लैदर जैकेट्स, ब्लैक बूट्स और अलग-अलग बाइक्स से लैस अपनी पलटन को। उर्वशी के पिता भी इस शौक से जुड़े रहे हैं तो यह शौक उर्वशी ने विरासत में पाया है। पिछले 5-6 साल में यह लगाव और भी गहरा हो गया। शुरू-शुरू में उन्हें लोगों ने हतोत्साहित भी किया और आश्चर्य से भी देखा, लेकिन उनका परिवार उनके साथ था। उनकी पहली बाइक थी 'पल्सर 180 क्लासिक' और अब उनके बेड़े में 500 सीसी की 'रॉयल एनफील्ड' भी जुड़ गई है। यात्राएँ करने के अलावा उर्वशी बाइक पर स्टंट करना भी पसंद करती हैं। बात करें 'बाइकरनी' की तो बड़ी बात यह कि यह देश में अपनी तरह की पहली 'ऑल वूमन मोटरसाइकलिस्ट एसोसिएशन' है। इसटन में बाइक पर उड़ान भरने वाली उस जैसी ही कई और भी सखियाँ शामिल हैं। उर्वशी खुद भी कहती हैं कि बाइक यात्राएँ तो मैंने खूब कीं लेकिन वे सारी पुरुषों के साथ होती थीं। मुझे हमेशा से लगता था कि एक बाइकर टीम सिर्फ महिलाओं की भी होना चाहिए। आखिर महिलाएँ एक-दूसरे से ज्यादा अच्छा तालमेल बैठा पाती हैं। इसलिए पहले तो मैंने उन महिलाओं से संपर्क साधना शुरू किया, जिन्हें मैं जानती थी। फिर फेसबुक पर एक पेज बनाया और बाइकरनी के नाम से नया ग्रुप भी। धीरे-धीरे बाइक चलाने वाली और भी लड़कियाँ इससे जुड़ती गईं और प्रचार बढ़ने के बाद आज इस ग्रुप में पूरी 40 वूमन बाइकर्स रजिस्टर हो चुकी हैं। ये सभी भारत के अलग-अलग इलाकों से हैं। ये बाइकरनियाँ एक्सपिडीशन्स पर जाती हैं और दूर-दूर की यात्राएँ करके अपने अनुभव में रोमांच के नए पन्नो जोड़ती हैं। फिलहाल ये 'लेह' तक जाने की योजना बना रही हैं। इसके बाद 'के2के' यानी कन्याकुमारी से खार डूँगला तक जाने का इरादा है..' और जब मेरे पास अच्छा पैसा होगा तो मैं अफ्रीका तक बाइक से सफर करना चाहूँगी।' चमकती आँखों से उर्वशी बताती हैं।

हेल्थ प्लस

कैंसर कोशिकाओं को खत्म करता है सेब

हर दिन एक सेब खाने से कमर की चर्बी बढ़ने की संभावना भी करीब 21 प्रतिशत तक कम हो जाती है।

सेब में विटामिन ए व सी, कैल्शियम, पोटेशियम और फाइबर बहुतायत में होता है। ये वे पोषक तत्व हैं जो हमें सेहतमंद बनाते हैं। इसमें प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले एंटी ऑक्सीडेंट्स छिपे हैं।

लाल सेब में तो सेब की अन्य प्रजातियों की तुलना में सबसे ज्यादा एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं।

इस वजह से लाल सेब कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और पार्किंसन व अल्जाइमर जैसे मस्तिष्क रोग संबंधी समस्याओं में बहुत लाभकारी रहता है।

लाल सेब में उपस्थित फ्लैवोनॉइड तत्व एंटी ऑक्सीडेंट का काम करता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

इससे दिमाग की कोशिकाएं स्वस्थ रहती हैं।

इसमें प्रोटीन-विटामिन की संतुलित मात्रा और कैलोरी कम होती है जिससे यह हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक है।

उच्च रक्तचाप या किसी अन्य समस्या के कारण जो लोग नमक का सेवन कम करते हैं उनके लिए सेब सुरक्षित और लाभकारी है क्योंकि सेब में सोडियम की मात्रा नहीं के बराबर होती है।

सेब का छिल्का या तो कैंसर कोशिकाओं को खत्म कर देता है या उनके प्रसार को रोक देता है।

माइग्रेन से बचाव जरूरी है

माइग्रेन क्या होता है यह एक भुक्तभोगी ही बता सकता है। यह कोई मामूली सिरदर्द नहीं होता इसमें सिर के एक ही हिस्से में दर्द होता है। आँखों के आगे प्रकाश की आड़ी-तिरछी लाइनें दिखाई देती हैं, जी घबराता है। सिर में असहनीय पीड़ा के चलते कभी-कभी ब्रेन हेमरेज या लकवा भी हो सकता है।

माइग्रेन के लक्षण आम सिरदर्द से बिल्कुल अलग होते हैं। इसमें व्यक्ति को आँखों में असामान्य सी चमक दिखाई देने लगती है। उसे शरीर के किसी हिस्से में सुन्नता सी मालूम पड़ती है।

शुरु-शुरु में तो दर्द हर गोलियों से दर्द ठीक भी हो जाता है परंतु बाद में ये दवाएँ भी बेअसर हो जाती हैं। मरीज की स्थिति इतनी नाजुक हो जाती है कि उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ता है।

माइग्रेन का कारण आनुवांशिक हो सकता है। यह लड़कों की अपेक्षा युवा होती लड़कियों में अधिकता से पाया गया है। क्योंकि लड़कियों का हार्मोन तंत्र कुछ पेचीदा किस्म का होता है। माइग्रेन का कारण मिर्गी भी हो सकता है लेकिन इसका इलाज होते ही माइग्रेन दूर हो जाता है। माइग्रेन हो या सिरदर्द दोनों तनाव से जुड़े हुए हैं। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव और डिप्रेशन के चलते भावुक मन का कोई भी व्यक्ति इसका शिकार हो सकता है।

पर्याप्त नींद न लेना, भूखे पेट रहना और पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना जैसे कुछ छोटे-छोटे कारणों से भी आपको माइग्रेन की शिकायत हो सकती है।

माइग्रेन के रोगी यदि कुछ सावधानियाँ रखें तो उनके दौरों में आश्चर्यजनक रुप से कमी आ सकती है।

आजकल डिब्बाबंद पदार्थों और जंकफूड का काफी चलन है। इनमें मैदे का बड़ी मात्रा में प्रयोग होता है, यदि आपको माइग्रेन की शिकायत है तो आप इन पदार्थों का सेवन कतई न करें।

पनीर, चॉकलेट, चीज, नूडल्स, पके केले और कुछ प्रकार के नट्स में ऐसे रासायनिक तत्व पाए जाते हैं जो माइग्रेन को बढ़ा सकते हैं।

आजकल की तनाव और भागदौड़ भरी जिंदगी में रोज व्यायाम, योग और ध्यान करने से आप अपने दिमाग को तनाव से मुक्त कर सकते हैं। आप जिस भी जगह पर रहें या काम करें वह जगह प्रकाश से चकाचौंध वाली, तेज धूप वाली, तेज गंध वाली नहीं होना चाहिए। साथ ही साथ माइग्रेन वाले रोगियों को अच्छी नींद लेना चाहिए।

इसके अलावा आप जब भी ऐसा कोई दर्द महसूस करें तो सिर्फअपने मन से कोई भी दर्दनिवारक गोली न लें, बल्कि किसी अच्छे न्यूरोलॉजिस्ट को इस बारे में बताएँ और उनके बताए निर्देशों के अनुसार ही चलें।

शरबती आंखों की कैसे करें सुरक्षा

आधुनिकता के बढ़ते दौर के कारण आज रोज-मर्रा की जिंदगी में कई मशीनों ने जगह बना ली है और इन सबमें सबसे आम है कम्प्यूटर। आज अधिकांश लोग दिन के 24 घंटों में से 10-12 घंटे कम्प्यूटर के सामने ही बिता रहे हैं। दिनभर ऑफिस में काम करते हुए तो कम्प्यूटर स्क्रीन आंखों के सामने रहती ही है और घर में इसका स्थान टीवी ले लेती है।

ऑफिस जाने वाले लोगों की तो मजबूरी है कि उन्हें इतने समय कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है क्योंकि आज अधिकांश कार्यालयों में बिना कम्प्यूटर के काम ही नहीं होता, लेकिन स्कूल, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए तो यह इतना अहम हो गया है कि इसके बिना वे अपने आप को असहाय महसूस करने लगते हैं। अगर वे कम्प्यूटर से हटते तो मोबाइल में लग जाते। स्वभाविक सी बात है कि इतना समय कम्प्यूटर, टीवी, मोबाइल के सामने बिताना आपकी आंखों के लिए अच्छा नहीं है। आपकी आंखों पर इसका बुरा असर पड़ना लाजमी है। लेकिन अपनी आदतों में सुधार कर आप आंखों को इसके प्रभावों से बचा सकते हैं। नीचे। दिए कुछ उपयोगी टिप्स अपनाएं और आंखों को स्वस्थ रखें।

✧ आपकी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर की जमावट सही हो। मॉनीटर, कीबोर्ड का सही जगह होना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे मॉनीटर की आपकी आंखों से दूरी एक हाथ बराबर हो और वह आंखों के लेवल से 20 डिग्री नीचे हो। कीबोर्ड भी ऐसी जगह होना जाहिए जहां आपको टाइप करने में कोई भी दुविधा न हो।

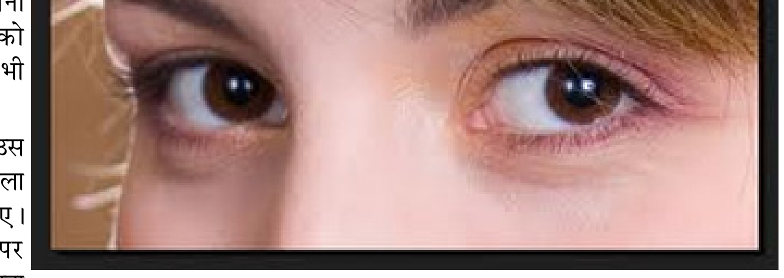

✧ आप जहां बैठे हैं उस कमरे का प्रकाश फैला हुआ होना चाहिए। आपके सिस्टम पर प्रकाश सीधे नहीं पड़ना चाहिए। अपने सिस्टम के कलर, कंट्रास और ब्राइटनेस को अपने अनुसार सेट करें जो आपकी आंखों के लिए सहज हो।

✧ आप अपने चश्मे के लेंस पर एंटी-रिफ्लेक्टिव पर्त लगवा सकते हैं जो आपकी आंखों को कम्प्यूटर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा। इसके अलावा आप आंखों के डॉक्टर से कन्सल्ट कर एक खास चश्मा बनवा सकते हैं जो विशेषकर उन लोगों के लिए बनाया जाता है जो कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं।

✧ हमेशा 20-20-20 नियम याद रखें। इन तीन स्टेप्स को अपनाकर आप आंखों की हिफाजत बखूबी कर सकते हैं।

1 कम्प्यूटर पर काम करते हुए हर 20 मिनिट बाद अपने सिर को घुमाएं और ऐसी किसी वस्तु पर नजर डालें जो कम से कम आप से 20 फीट दूर हो। ऐसा करने से आपकी आंखों की फोकस दूरी बदलेगी जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी।

2 छोटा-सा ब्रेक लें और उसमें अपनी पलकों को लगातार 20 बार झपकाए। ऐसा करने से आंखों की नमी बरकरार रहेगी।

3 एक ही पोजीशन में बैठे रहने से अच्छा है कि आप हर 20 मिनिट में उठकर 20 कदम चलें। ऐसा करना आपकी आंखों के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए लाभप्रद है। इससे आपके पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह आसानी से होगा। अन्यथा एक ही जगह बैठे रहने से रक्त प्रवाह में रुकावट आ जाती है।

✧ हम औसतन एक मिनिट में 12 बार पलक झपकाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है जब हम कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो एक मिनिट में सिर्फ5 बार ही पलकें झपकती हैं। जिस कारण हमारी आंखों की नमी कम हो जाती है। और यही कमी हमारी असहजता का कारण बन जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पलक झपकाना न भूलें और आंखों को नम बनाए रखने के लिए जेल या कृत्रिम आंसुओं का उपयोग करें।

✧ काम करते समय हमेशा तनकर बैठे ताकि आपका मेरूदंड सीधा रहे। अपनी हथेलियां आपस में तब तक रगड़ें जब तक कि वे थोड़ी गर्म न हो जाएं। हथेलियों की यह गर्माहट आपकी थकी हुई आंखों को आराम पहुंचाएगी। अपनी इन गर्म हथेलियों को हल्के से आंखों पर रखें और 60 सेकेण्ड तक आराम करें। अपने मन में ये 60 सेकेण्ड गिनें और जब भी आपकी आंखे थक जाएं तब कम से कम दो से तीन बार इस एक्सरसाइज को करें।

✧ ब्रेक के दौरान अपने चेहरे और आंखों को सादे पानी से धोएं। ऐसा करने से आप फ्रेश फील करेंगे।

✧ सुबह ऑफिस आने से पहले उपयोग किए गए दो टी-बैग्स फ्रिज में रखना न भूलें और जब आप घर जाएं तो इन टी-बैग्स को आंखों पर कुछ मिनिटों के लिए रखें। यह आपकी थकी हुई आंखों को आराम देने के साथ-साथ उनकी सूजन भी कम करेगा।

✧ आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है उचित खान-पान। अपने रोजाना के खाने में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर, चिकन और दुग्ध उत्पादों को भी अपने आहार में शामिल करें। अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाने के साथ समय-समय पर आंखों की जांच कराना न भूलें।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

गॉडफादर से सामने आया चिरंजीवी और सलमान खान का दमदार लुक

साउथ इंडस्ट्री के मेगास्टार चिरंजीवी की नई फिल्म गॉडफादर का नया पोस्टर मेकर्स ने जारी कर दिया है। इस पोस्टर में चिरंजीवी के साथ बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में दोनों सुपरस्टार्स का स्वैग देखने के बाद फैंस भी झूम उठे हैं। पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने यह भी जानकारी देते हुए बताया है कि फिल्म से चिरंजीवी और सलमान खान का सिंगल प्रोमो आज ही दर्शकों के बीच पेश किया जाएगा।

नए पोस्टर में चिरंजीवी और सलमान खान अपनी जेब में हाथ डाले खड़े दिखाई दे रहे हैं। प्रभुदेवा ने गॉडफादर में चिरंजीवी और सलमान खान के स्पेशल गाने को एस थमन की धुनों के साथ कोरियोग्राफ किया है। यह गाना फैंस के लिए एक विजुअल ट्रीट होने वाला है। पोस्टर के सामने आते ही ये सेकंडों में वायरल होना शुरू हो गया है। फैंस दोनों स्टार्स को ऑनस्क्रीन देखने के लिए और लंबा इंतजार नहीं कर सकते हैं।

हाल ही में चिरंजीवी ने सलमान खान के साथ गॉडफादर के सेट एक बीटीएस फोटो भी साझा की थी। बता दें सलमान खान गॉडफादर में एक अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म के लिए उन्होंने एक रुपया भी चार्ज नहीं किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के लिए मेकर्स ने सलमान खान को करोड़ों रुपये ऑफर किए थे लेकिन अभिनेता ने पैसे लेने से इनकार कर दिया था।

महत्वपूर्ण है कहानी विश्वसनीय और संवेदनशील तरीके से कही गई हो : दिलजीत दोसांझ

अभिनेता दिलजीत दोसांझ, जो अपनी आगामी फिल्म जोगी की रिलीज के लिए तैयार हैं, ने फिल्म के लिए अली अब्बास जफर और हिमांशु मेहरा के साथ काम करने के बारे में बात की है। उनका कहना है कि यह महत्वपूर्ण है कि एक कहानी को विश्वसनीय लेकिन संवेदनशील तरीके से कहा जाए।

जोगी 1984 में भारत की राजधानी दिल्ली से है, यह तीन दोस्तों की कहानी है जो अपने शहर में सैकड़ों को बचाने के लिए एकजुट होते हैं। फिल्म में दिलजीत दोसांझ, कुमुद मिश्रा, मो. जीशान अय्यूब, हितेन तेजवानी और अमायरा दस्तूरी मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म में, दिलजीत नायक जोगी है जो सभी बाधाओं से लड़ने के लिए भाईचारे, एकता और साहस की वकालत करता है और अपने प्रियजनों की रक्षा के लिए अतिरिक्त मील जाता है। अली और हिमांशु के साथ काम करने के अपने अनुभव पर चर्चा करते हुए, दिलजीत ने कहा, इस परियोजना पर अली भा जी और हिमांशु भा जी के साथ काम करना बहुत सहयोगी था।

एक टीम के रूप में वे हमेशा तालमेल में रहते हैं और एक कलाकार के लिए यह राहत की बात होती है जब बनाने की प्रक्रिया सुखद होती है। यह महत्वपूर्ण है कि एक कहानी एक विश्वसनीय लेकिन संवेदनशील तरीके से कही गई है और मुझे खुशी है कि अली भा जी और हिमांशु भा जी इसे समझते हैं।

मैं चाहता हूं कि दर्शकों को हमारा काम पसंद आए। जोगी अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित और हिमांशु किशन मेहरा और अली अब्बास जफर द्वारा निर्मित है। फिल्म का निर्देशन दिलजीत दोसांझ, कुमुद मिश्रा, मो. जीशान अय्यूब, हितेन तेजवानी और अमायरा दस्तूर। जोगी का प्रीमियर विशेष रूप से नेटफ्लिक्स पर 16 सितंबर को होगा।

टोरंटो फेस्ट में शुभम योगी की कच्चे लिम्बू का प्रीमियर

नवोदित निर्देशक शुभम योगी की फीचर फिल्म कच्चे लिम्बू का यहां चल रहे टोरंटो इंटरनेशनल फेस्टिवल में जोरदार स्वागत किया गया।

भारत में गली क्रिकेट पर केंद्रित, कच्चे लिम्बू भारत के महत्वाकांक्षी युवाओं की कहानी है जो अपने माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध नए व्यवसायों में प्रवेश करने का साहस प्रदर्शित करते हैं। यह भाइयों के बीच प्रतिद्वंद्विता और लैंगिक बाधाओं को तोड़ने और भारतीय जुगाड़बाजी के बारे में है।

ज्योति देशपांडे, प्रांजल खंडडिय़ा और नेहा आनंद द्वारा निर्मित, फिल्म की कहानी मुंबई के पार्कों में आयोजित तथाकथित अंडरआर्म प्रीमियर लीग मैचों में चलती है।

मुंबई के पार्कों में तात्कालिक पिचों पर स्ट्रीट लाइट के नीचे खेला जाता है, अंडरआर्म प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच एक मस्ती भरा, शोर-शरेबे वाला खेल होता है।

फिल्म के प्रीमियर पर निर्देशक शुभम योगी ने कहा, मेरी फिल्म भारतीय युवाओं के अपनी जगह ढूंढने के बारे में है। मेरी फिल्म में वे अपनी बात कहने का साहस पाते हैं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने खेल का माध्यम चुना क्योंकि (अंडरआर्म) क्रिकेट मुंबई में जीवन जीने का एक तरीका है। मुख्य भूमिका निभाने वाली राधिका मदान ने कहा, मैंने स्क्रिप्ट को प्रासंगिक पाया, क्योंकि भारत में बहुत सी लड़कियों के पास सपने देखने की विलासिता नहीं है।

अभिनेत्री ने कहा कि वह और निर्देशक उनकी खेलशैली को देखने और उसे समझने के लिए अंडरआर्म क्रिकेट टूर्नामेंट में गए थे।

रजत बरमेचा ने कहा कि वह बैकपैकिंग ट्रिप के लिए पूरी तरह तैयार थे, जब उन्हें संदेश मिला कि उन्हें फिल्म में आकाश की भूमिका के लिए चुना गया है।

फिल्म की रिलीज के बारे में निर्देशक ने कहा कि वह और उनकी कास्ट टोरंटो में कुछ पल बिता रहे थे और बाद में रिलीज के बारे में सोचेंगे।

तमन्ना भाटिया ने हैंडक्राफ्टेड बॉडीकॉन ड्रेस में इंटरनेट पर लगाई आग

टॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया को आज के समय में

कौन नहीं जानता है, वह हमेशा ही किसी न किसी बात के चलते चर्चाओं में बनी रहती है, वहीं तमन्ना भाटिया हमेशा ही अपने स्टाइलिस्ट फैशन से अपने फैंस का दिल जीत लेती हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ था। इंटरनेट पर आग लगाने के लिए इस बार तमन्ना भाटिया ने हैंडक्राफ्टेड बॉडीकॉन ड्रेस पहन रखी है। इस ड्रेस में तमन्ना भाटिया का बहुत ही स्टाइलिस्ट अवतार निखर कर आया, जो उनके फैंस के दिलों में बस चुका है।

तमन्ना ने इस ब्लू ड्रेस में अपने इंस्टाग्राम पर कई फोटोज साझा की है। खबरों का कहना है कि ये ड्रेस तमन्ना ने अपनी आगामी मूवीज प्लान ए प्लान बी के ट्रेलर लॉन्च के समय पहन रखी थी। इस ड्रेस को देखकर कई लड़कियों का इस पर दिल आ चुका है। ये ड्रेस थोड़ी हटकर इसलिए लड़कियों को पसंद भी आ रही है।

यदि आपको भी ये ड्रेस पसंद है और आप इसे अपने कलेक्शन में शामिल करना चाहते है तो आप भी इस बारें में जान लें कि, ये ड्रेस ह्यूमन ब्रैंड की है। इसे खरीदने के लिए आपको 47,500 रुपये खर्च करने पड़ सकते है।

नागा शौर्य-स्टारर कृष्णा वृंदा विहारी का धमाकेदार ट्रेलर जारी

निर्देशक अनीश आर. कृष्णा की रोमांटिक कॉमेडी एंटरटेनर कृष्णा वृंदा विहारी की यूनिट ने फिल्म का नाटकीय ट्रेलर जारी किया। ट्रेलर में कृष्णा (नागा शौर्य) को एक सभ्य ब्राह्मण व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है, जो एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी करने के बाद शहर आता है, जहां उसकी मुलाकात वृंदा (शर्ली सेतिया) नामक एक खूबसूरत लड़की से होती है।

लड़की के साथ वृंदा को लुभाने के कृष्ण के प्रयास उसके प्यार को स्वीकार करते हैं और युगल एक साथ अपने समय का आनंद लेते हैं। तभी से समस्याएं पैदा होती हैं। कृष्णा का परिवार जहां रूढ़िवादी है, वहीं वृंदा एक शहरी लड़की है जो आधुनिक पोशाक पहनना पसंद करती है।

इसके अलावा, उनकी शादी के लिए एक और समस्या भी है। नागा शौर्य एक लाइववायर के रूप में सामने आते हैं और उनकी कॉमिक टाइमिंग उत्कृष्ट है। जहां वह ब्राह्मण गेटअप में पारंपरिक दिखते हैं, वहीं वे फॉर्मल वियर में सुपर कूल लगते हैं।

शर्ली सेतिया ग्लैमरस दिखती हैं और मुख्य जोड़ी की केमिस्ट्री बखूबी काम करती है। राधिका सरथकुमार एक ब्राह्मण परिवार में एक ठेठ मां के रूप में दिखाई देती हैं। वेनेला किशोर अपनी उपस्थिति का एहसास कराते हैं, हालांकि वे पूरे समय कोमा में हैं।

ब्रह्माजी का केएफसी सीक्वेंस प्रफुल्लित करने वाला है। राहुल रामकृष्ण और सत्या भी हास्य राहत प्रदान करते हैं। अनीश आर. कृष्णा कॉमेडी को संभालने में काफी सक्षम हैं और ट्रेलर हास्य ऑश्यों से भरपूर है। वीडियो से पता चलता है कि फिल्म में परिवारों के साथ-साथ युवाओं को भी रोमांचित करने के कई अन्य पहलू हैं।

साई श्रीराम की छायांकन साफ-सुथरी है और महती स्वरा सागर का संगीत मधुर लगता है। उषा मूलपुरी द्वारा निर्मित यह फिल्म 23 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

कलाकार: नागा शौर्य, शर्ली सेतिया, राधिका, वेनेला किशोर, राहुल रामकृष्ण, सत्या, ब्रह्माजी और अन्य।

शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल में लॉस्ट के प्रीमियर को लेकर खुश हुईं पिया वाजपेयी

अभिनेत्री पिया वाजपेयी नौवें स्थान पर हैं क्योंकि उनकी फिल्म लॉस्ट को शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल 2022 में ओपनिंग नाइट प्रीमियर फिल्म के रूप में चुना गया है।

अनिरुद्ध रॉय चौधरी द्वारा निर्देशित, इसमें यामी गौतम, पंकज कपूर, राहुल खन्ना, नील भूपालम और तुषार पांडे मुख्य भूमिकाओं में हैं। वेंकट प्रभु की कॉमेडी ड्रामा गोवा, तमिल फिल्म को, तेलुगु फिल्म दलम, मास्टर्स (मलयालम) और मुंबई दिल्ली मुंबई (हिंदी) में दिखाई देने वाली अभिनेत्री ने उम्मीद जताई कि अंतरराष्ट्रीय दर्शक बड़े सपनों और महत्वाकांक्षाओं वाली एक छोटे शहर की लड़की की भूमिका की सराहना करते हैं।

पिया ने कहा, फिल्म के संदर्भ में इंतजार और सभी देरी इसके लायक थी। मुझे इस फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं और मुझे यकीन है कि मेरी भूमिका दर्शकों को खुश करेगी। एक छोटे शहर से होने के कारण, मेरे पास बहुत ही चुनिंदा दर्शक हैं और इस फिल्म के जरिए मैं खुद को साबित करना चाहता हूं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचना चाहता हूं।

लॉस्ट एक युवा महिला क्राइम रिपोर्टर और सच्चाई को खोजने के उसके मिशन और एक थिएटर एक्टिविस्ट के अचानक गायब होने के कारण के बारे में है।

शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल की स्थापना 1964 में फिल्म निर्माता और ग्राफिक कलाकार माइकल कुत्जा ने की थी। यह उत्तरी अमेरिका में सबसे लंबे समय तक चलने वाला फिल्म समारोह है।

कीर्ति सुरेश ने उधयनिधि स्टालिन स्टारर मामन्नान की शूटिंग की पूरी

निर्देशक मारी सेल्वराज की बहुप्रतीक्षित फिल्म मामन्नन में मुख्य भूमिका निभाने वाली कीर्ति सुरेश ने घोषणा की है कि उन्होंने फिल्म में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है।

मामन्नन की पूरी यूनिट, जिसमें उदयनिधि स्टालिन और फहद फासिल मुख्य भूमिका में हैं, ने फिल्म के सेट पर लोकप्रिय तमिल कॉमेडियन वाडिवेलु का जन्मदिन मनाया।

कीर्ति, जिन्होंने मामन्नन के सेट पर वडिवेलु के जन्मदिन समारोह में भाग लिया, ने उत्सव की तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा, वैगई पुयाल वाडिवेल सर के जन्मदिन के साथ हैशटैग-मामन्नन को पूरा कर बहुत खुश हूं। जन्मदिन मुबारक हो सर।

इस अविश्वसनीय यात्रा के लिए धन्यवाद, उदयनिधि स्टालिन, मारी सेल्वराज, फहद फासिल, वाडिवेलु सर, थेनी ईश्वर और टीम।

उदयनिधि स्टालिन के प्रोडक्शन हाउस, रेड जाइंट मूवीज द्वारा निर्मित इस फिल्म में संगीत ए आर रहमान का है और छायांकन थेनी ईश्वर द्वारा किया गया है।